किफायती दरों में अपना विज्ञापन प्रकाशित करें और अपने व्यापार को और ऊँचाईयों पर ले जाएं।
संपर्क करें
7018631199

« आपकी आवाज़ »
हिमालयन अपडेट
www.himalayanupdate.com

Postal Regd. No.: HP/128/SML/2020-22
अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में हमें लिखें
himalayanupdate@gmail.com
दूरभाष नं.
7018631199

वर्ष 5 | अंक 21 | पृष्ठ 8 | साप्ताहिक | शिमला | सोमवार 30 अगस्त–5 सितम्बर 2021 | मूल्य 5/- | RNI No. HPHIN/2017/73579

मनाली में खोला जाएगा जल शक्ति मण्डल: जय राम ठाकुर

मनाली विधानसभा क्षेत्र में लगभग 100 करोड़ की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास

कुल्लू, हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कुल्लू जिला के मनाली विधानसभा क्षेत्र में लगभग 100 करोड़ रुपये लागत की 26 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए।

उन्होंने 40.13 करोड़ रुपये लागत की परियोजनाओं के लोकार्पण किए, जिनमें पतलीकुहल स्थित 5.52 करोड़ रुपये लागत से निर्मित आईटीआई भवन मनाली, 3.38 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित राजकीय उच्च विद्यालय हलाण–1 का भवन, सेउबाग में 5.32 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय के छात्रावास, एक करोड़ रुपये की लागत से जलापूर्ति योजना नगर और उपरला मोहल रूमसू के संवर्धन कार्य, ग्राम पंचायत अरछंडी में 2.89 करोड़ रुपये की लागत से जलापूर्ति योजना, शारण कलौंटी, माहली और जाणा के संवर्धन कार्य, 90 लाख रुपये लागत की उठाऊ सिंचाई योजना माहली के सीएडी कार्य, 2.86 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नगर रूमसू सड़क, 6.40 करोड़ रुपये की लागत से पनगां शेगली कशेरी से गलौंन सड़क, 2.49 करोड़ रुपये की लागत के निर्मित धारा से रूंगा सड़क, 93 लाख रुपये से निर्मित जगतसुख भनारा सड़क, 1.54 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बूरवा मझैच सड़क, राउगी नाला के ऊपर 1.01 करोड़ रुपये की लागत से डबल लेन पुल, नाबार्ड के अन्तर्गत 2. 29 करोड़ रुपये की लागत से कराल हिमरी सड़क के सुधार एवं मैटलिंग कार्य और 3.60 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बबेली इन्दौर सड़क शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने 60.39 करोड़ रुपये की लागत की 12 विकासात्मक परियोजनाओं के शिलान्यास किए जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान में 6.82 करोड़ रुपये की लागत के इण्डोर स्टेडियम, ग्राम पंचायत बड़ाग्रां और जिंदी, बारी और कुलह गांवों के लिए 3.42 करोड़ रुपये लागत की जलापूर्ति योजना के संवर्धन एवं सुधारीकरण कार्य, ग्राम पंचायत रियारा के गांवों के लिए 3.01 करोड़ रुपये की जलापूर्ति योजना के संवर्धन, ग्राम पंचायत करजां में 85 लाख रुपये की जलापूर्ति योजना सजला–करजां के सुधारीकरण कार्य, ग्राम पंचायत कटराईं में 84 लाख रुपये की जलापूर्ति योजना कटराईं के सुधारीकरण और ग्राम पंचायत हलान–1 में 90 लाख रुपये की जलापूर्ति योजना रांगरी और बाथर शामिल हैं।

जय राम ठाकुर ने 28.11 करोड़ रुपये लागत की जलापूर्ति योजना धारा घोट, सेऊबाग, कराड़सू, सारच, कोलीबेहड़, बदाह और खलयानी पधर, 3.09 करोड़ रुपये की बहाव सिंचाई योजना बागा, मलोगी और बनेही, 2.06 करोड़ रुपये की लागत से बहाव सिंचाई योजना कशेड़ी नाला से शंगेहड़, 9.09 करोड़ रुपये से कटराईं के गांवों के लिए ब्यास नदी पर बाढ़ सुरक्षा कार्य, 1.43 करोड़ रुपये से उठाऊ सिंचाई योजना अप्पर सेऊबाग के लिए सीएडी कार्य और 77 लाख रुपये से बहाव सिंचाई योजना दवाड़ा के कार्यों का भूमि पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री ने बड़ाग्रां में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश कोविड महामारी के लिए टीकाकरण की पहली खुराक के शत–प्रतिशत कवरेज के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस उपलब्धि के लिए प्रदेश को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इसका श्रेय प्रदेश के डॉक्टरों व पैरामेडिकल कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण तथा प्रदेशवासियों के सक्रिय सहयोग को जाता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से टीकाकरण के लिए आगे आने का आग्रह किया ताकि प्रदेश 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के शत–प्रतिशत टीकाकरण जनसंख्या वाला पहला राज्य बन सके।

जय राम ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार ने विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित

शेष पृष्ठ 2 पर...

सैनिकों को राखी बांधने समधो पहुंचे राज्यपाल

कहा–पहले भेजता था अब सौभाग्य मिला यहां आने का

शिमला, हिमालयन अपडेट

राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर अपने लाहुल–स्पीति के दो दिवसीय दौरे के दौरान समदो आर्मी हैलीपैड पहुंचे, जहां सैन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। आर्लेकर का हिमाचल के जनजातीय क्षेत्र का यह पहला दौरा है। उनके यहां आने का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र में तैनात सैनिकों की कलाइयों पर गोवा राज्य से भेजी गई राखियां बांधने का था। स्कूली छात्राओं द्वारा तैयान इन राखियों को लेकर वह स्वयं सैनिकों तक पहुंचे। लेडी गवर्नर अनघा आर्लेकर भी उनके साथ थीं।

इस अवसर पर, राज्यपाल ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि वह स्वयं यहां आकर देश के वीर सिपाहियों को राखी बांधकर उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल बनने से पहले भी वह गोवा राज्य में राखी के पावन पर्व पर राखियां इक्ट्ठा कर सीमाओं पर तैनात सैनिकों को भिजवाते थे। लेकिन, इस बार उन्हें राज्यपाल के तौर पर यहां आने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि हमें अपने सैनिकों पर गर्व है, जो दिन–रात कठिन परिस्थितियों में ऐसे दुर्गम क्षेत्रों में तैनात रहकर दुश्मनों से हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने इन बहादुर सिपाहियों के प्रति प्रेम का भाव इस रूप में प्रकट कर सकते हैं ताकि हमारी भावी पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत रहे।

राज्यपाल ने सैनिकों से संवाद किया और अपने अनुभव भी सांझा किए। इस मौके पर, लेडी गवर्नर ने सैनिकों के मध्य देशभक्ति का गीत गाकर सैनिकों में और जोश भर दिया। ''चंदन है इस देश की माटी,

शेष पृष्ठ 2 पर...

प्रदेश सरकार कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए संकल्पबद्ध: मुख्यमंत्री

शिमला, हिमालयन अपडेट

राज्य सरकार समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के कल्याण और सामाजिक–आर्थिक उत्थान के लिए संकल्पबद्ध है। यह बात मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष वीरेंद्र कश्यप के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अनुसूचित जाति समुदाय प्रदेश और देश के विकास में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के स्नेह से ही यह संभव हो पाया है कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन पाई है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों को सरकार में उचित प्रतिनिधित्व मिले, इसके लिए राज्य सरकार हमेशा प्रयासरत है। भाजपा के कार्यकाल में ही अनुसूचित जाति विशेष घटक योजना के तहत अनुसूचित जाति की जनसंख्या के अनुपात के अनुसार बजट में वृद्धि की गई है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य में चालू वित्त वर्ष के दौरान विभिन्न आवास योजनाओं के तहत लगभग 15,000 आवासों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिकांश मकान अनुसूचित जाति के परिवारों के लिए बनाए जाएंगे। इस अवधि के दौरान कल्याणकारी योजनाओं जैसे गृहिणी सुविधा योजना, सहारा योजना और हिमकेयर से अनुसूचित जाति के लाखों परिवार लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने अनुसूचित जाति समुदाय से राज्य सरकार को अपना पूरा समर्थन देने का आग्रह किया ताकि वर्ष 2022 में भाजपा एक बार फिर सरकार बना सके।

स्वास्थ्य मंत्री डा. राजीव सैजल ने कहा कि मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के सक्षम और गतिशील नेतृत्व में राज्य

शेष पृष्ठ 2 पर...

राज्यपाल ने वर्षा की प्रत्येक बूंद के संग्रहण की आवश्यकता पर बल दिया

शिमला, हिमालयन अपडेट

जी. अशोक कुमार, अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक, राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार ने राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर से राजभवन में भेंट की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि जल संरक्षण आज एक महत्वपूर्ण विषय हैं, जिस पर गम्भीरता से ध्यान देना चाहिए तथा हमें इस दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संग्रहण, पराम्परिक जल संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा वन गतिविधियों व जागरूकता आदि के लिए वृहद प्रबन्ध योजना बनाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हिमाचल प्रदेश को मनोरम सौन्दर्य से नवाजा है तथा यहां पर्यावरण अनुकूल है, लेकिन पर्यावरण में निरंतर बदलाव के कारण स्थिति गम्भीर होती जा रही है तथा अनेक प्राकृतिक आपदाओं ने हमें इस दिशा में सोचने पर बाध्य कर दिया हैं।

उन्होंने कहा कि हमें वर्षा की प्रत्येक बूंद का संग्रहण करने तथा जल के तीव्र प्रवाह को रोकने की आवश्यकता है। इससे पानी की कमी की समस्या से प्रभावित क्षेत्रों में पानी प्रदान करने तथा निचले क्षेत्रों में बाढ़ से उपजाऊ भूमि की सुरक्षा में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस दिशा में ठोस प्रयास किए हैं लेकिन इस उद्देश्य के लिए विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों के माध्यम से वृहद अभियान चलाने की आवश्यकता है।

अशोक कुमार ने राज्यपाल को अवगत करवाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय जल मिशन के अंग के रूप में 'कैच द रेन' नाम से बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मूल मंत्र है 'वर्षा की हर बूंद, जहां गिरे, जब गिरे, उसका संग्रहण करें'। उन्होंने कहा कि राज्य में अभियान को गति मिली है और काफी कार्य किया गया है, जिसे और आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों में इस विषय पर जागरूकता लाने का आग्रह किया ताकि इसे व्यापक रूप दिया जा सके।

मुख्यमंत्री ने मंडी जिला के भदरोता में पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने की घोषणा की

शिमला, हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने मंडी जिला में सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र में भदरोटा क्षेत्र के गौंटा में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए उप–तहसील भदरोता में पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमनी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्तरोन्नत करने की घोषणा की। उन्होंने उप–तहसील भदरोता के दोहपी में संयुक्त कार्यालय भवन खोलने और गौंटा (भदरोता) में हेलीपैड के निर्माण की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–19 महामारी ने विश्व की आर्थिकी पर विपरीत प्रभाव डाला है और हमारा देश एवं राज्य भी इससे अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समयबद्ध और दक्ष प्रयासों से कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस अवधि के दौरान प्रदेश के 42 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में वर्चुअल माध्यम से लगभग 4200 करोड़ रुपये लागत की विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए।

जय राम ठाकुर ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान राज्य के लाखों लोग देश के विभिन्न भागों में फंस गए थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लगभग 2.50 लाख प्रदेशवासियों को सुरक्षित उनके घरों तक वापिस लाया गया। उन्होंने कहा कि गोवा से विशेष रेल गाड़ियों और राजस्थान के कोटा से हिमाचल पथ परिवहन की 60 बसों के माध्यम से प्रदेश के हजारों युवाओं को वापिस लाया गया। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान विपक्ष के नेता इस संवेदनशील मामले का राजनीतिकरण करने में व्यस्त रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य को 500 से अधिक वेंटिलेटर प्रदान किए ताकि रोगियों की बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं ने अपने केन्द्रीय नेतृत्व को राज्य के लोगों को मास्क और सेनिटाइजर प्रदान करने के 12 करोड़ रुपये के बिल भेजे जो कि फर्जी थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस माह की 31 तारीख तक वैक्सीनेशन की पहली खुराक की शत–प्रतिशत कवरेज का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने राज्य के लोगों से इस खतरनाक वायरस से बचाव के लिए वैक्सीनेशन करने के लिए आगे आने का आग्रह किया।

इस अवसर पर विभिन्न व्यक्तियों और संस्थाओं ने मुख्यमंत्री को मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए चैक भेंट किए।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंडी जिला के सरकाघाट

शेष पृष्ठ 2 पर...

घर बैठे अपनी प्रति मंगवाने / बुक करवाने के लिए सम्पर्क करें

शिमला
ग्राम शाहल, डाकघर भौंट,
तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश
हि.प्र.- 171006

चौपाल
हिमालयन अपडेट केयर आफ गोगटा लोकमित्र केंद्र
मडावग, डाकघर मड़ावग, तहसील चौपाल,
जिला शिमला हिप्र-171211

रामपुर बुशहर डिजीटल सेवा सिटी पुलिस चौकी के पास, रामपुर बुशहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश-172001

हमीरपुर 118 प्रतापनगर, वार्ड नं 3, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

मंडी एनजीपी ई-स्मार्ट लाईफ, केनरा बैंक के पास, नया बस स्टैंड, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी.175002

दो अक्तूबर से शुरू होगी स्वर्णिम हिमाचल रथयात्रा

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्यत्व के स्वर्ण जयंती वर्ष पर हिमाचल प्रदेश सरकार 2 अक्तूबर से स्वर्णिम हिमाचल रथयात्रा शुरू करेगी। दो महीने में यह यात्रा प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में गुजरेगी। यह जानकारी मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने उच्च स्तरीय समिति की बैठक में दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों के माध्यम से राज्य में 51 कार्यक्रम होंगे। 25 जनवरी, 2022 को एक विशाल कार्यक्रम होगा। इसके सफल आयोजन के लिए विधायक डॉ. राजीव बिंदल की अध्यक्षता में एक कार्यकारी समिति बनाई गई है। चार उप समितियां भी गठित की गई हैं। इनमें स्वर्णिम रथ खरीद समिति, सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण समिति, सोशल मीडिया समिति और बजट समिति शामिल हैं। कहा कि सरकार इस वर्ष 25 जनवरी से स्वर्णिम रथयात्रा शुरू करना चाहती थी, लेकिन कोरोना के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। रथयात्रा में खेल, सामाजिक कार्य, संस्कृति, साहित्य आदि में उपलब्धि हासिल करने वाले सफल लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। स्वर्णिम रथ को राज्य के विकास के गौरवशाली इतिहास प्रदर्शित करने के लिए नवीनतम उपकरणों से लैस किया जाएगा। सभी बड़े विभाग पचास वर्षों के दौरान हुए विकास का प्रदर्शन करेंगे। राज्य वित्तायोग के अध्यक्ष और बजट समिति के अध्यक्ष सतपाल सत्ती ने कहा कि जहां रथयात्रा जाएगी और मुख्य कार्यक्रम होगा, वहां के मुख्य, ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण भवनों को भी सजाने के प्रयास किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार और स्वर्णिम रथयात्रा खरीद समिति के अध्यक्ष त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि प्रत्येक परिवार को भव्य आयोजन से जोड़ने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

नकदी फसल सेब के उचित दाम न मिलने से बागबान परेशान

आनी, हिमालयन अपडेट

बागबानों की आर्थिकी का मुख्य व्यवसाय कही जाने बाली नकदी फसल सेब के मंडियों में अच्छे दाम ने मिलने आनी व निथर क्षेत्र के बागबान बेहद परेशान हैं।बागबानों का कहना है कि वे वर्ष भर अपने सेब बागीचों में खूब मेहनत कर.अच्छे फल तैयार करते हैं. मगर बदले में उन्हें अपनी मेहनत का दाम नहीं मिल पा रहा है.जिससे उन्हें मुनाफे के बजाय भारी घाटा वहन करना पड़ रहा है।

निथर के बागवान सुशील ठाकुर का कहना है कि उनका बगीचा एडशी में है। जहां एक तो पहले से बेमौसम बर्फबारी और दूसरी तरफ ओलों ने सेब की फसल तबाह कर दी और अब रही सही कसर सेब के कम दामों ने पूरी कर दी है । उन्होंने बताया कि आनी की खेगसू सब्जी मंडी में उन्हें सेब की प्रति पेटी दाम एक हज़ार से ग्यारह सौ के करीब मिले. जिसमें पेटी पर हुआ खर्च भी नहीं निकल पाया है .जबकि पेटी पर खर्च चार सौ के करीब पड़ता है । बागवान सिकंदर ठाकुर. विजय ठाकुर .सतपॉल ठाकुर.राजेश,चिंटू ठाकुर. देविंदर ठाकुर ने कहा कि एपीएमसी सेब के सही दामों को लेकर बागबानों का साथ दे। ।

खुले में कूड़ा फैकने वालों पर होगी कार्यवाही– राजीव ठाकुर

बिलासपुर, हिमालयन अपडेट

स्वच्छता अभियान को गति देने और यहां वहां फेंके कूड़े के निष्पादन के लिए उपमण्डाधिकारी घुमारवीं राजीव ठाकुर ने घुमारवीं शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरिक्षण किया उन्होने सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल के पास नाले मे लोगों द्वारा काफी कूड़ा करकट फेंका गया था उसके निष्पादन के लिए तुरन्त नगर परिषद के कनिष्ट अभियंता, सुपर वाइजर व सफाई ठेकेदार को मौके पर बुलाकर तुरंत साफ करने के निर्देश दिये। उन्होने नगर परिषद अधिकारियों को वहां पर एक सीसीटीवी कैमरा स्थापित करने के भी निर्देश दिये। ताकि कोई भी कुड़ा करकट फैकंता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जा सके। इस दौरान उन्होने मीट मार्केट का निरिक्षण भी किया और दुकानदारों को हिदायत दी कि कूडा कचरा खुले में न फेंकें तथा घुमारवी शहर को साफ सुथरा रखने में योगदान दें। उन्होने शहर वासियों से अपील की कि वह किसी भी व्यक्ति को खुले में कुडा करकट फैकतें हुए देखे तो उसकी जानकारी तुरंत नगर परिषद कों दे ताकि उसके खिलाफ उचित कार्यवाही की जा सके। उन्होने ''क्लीन घुमारवी ग्रीन घुमारवी'' समाज सेवी संस्था को ऐसे हॉटस्पॉट चिन्हित करने के निदेश दिये कि अगर काई खुले में कुडा फैंकते हुए पाया जाता है तो उन्ह पर नगर परिषद कड़ी कार्यवाही कर सके। इससे पहले एसडीएम राजीव ठाकुर ने डीएवी स्कूल घुमारवी परिसर में ''क्लीन घुमारवीं ग्रीन घुमारवी'' समाज सेवी संस्था व पाठशाला के सदस्यों के साथ पीपल और जामुन को पौधा रोपित किया।

Himachal Pradesh
Public Works Department
Notice inviting tender

Sealed item rates tender on form 6 & 8 are hereby invited by the Executive Engineer HP,PWD, Karsog on behalf of Governor of Himachal Pradesh from the approved/eligible contractors enlisted in HP,PWD for the following works so as to reach in this office on or before 3-9-2021 upto 11.00 AM and shall be opened on the same day at 12.00 AM in presence of the contractor or their authorized representatives who may like to be present. The tender form can be had from this office against cash payment (Non refundable) upto 4.00 PM on 1-09-2021 for which the application should reach in this office upto 1.00 PM 1-09-2021.

The earnest money in shape of National saving certificate/time deposit account/saving account in any Nationalized Bank in H.P duly pledged in favour of the Executive Engineer Karsog Division, HP,PWD, Karsog will be received alongwith application for obtaining tenders form. The conditional tenders will summarily be rejected. The offer of the tenders shall be kept open for 51 days from the date of opening of tender. The Executive Engineer, HP,PWD, Karsog reserves the right to reject any or all tenders without assigning any reason. The contractors should append their enlistment/renewed certificates/sale Tax registration Numbers with the application for issue of tender form. If any of the date mentioned above happens to be holiday the same shall be processed on next working day.

1 **Name of Work:** Construction og Dateha to Kehu road Km. 0/0 to 4/0 (SH;- widening of road in Km. 0/705 to 1/135) under SCSP **Estimated Cost :** 4,80,129/- **Earnest Money:** 9700/- **Time :** Two month **Cost of Tender Form:** 350/-
2 **Name of Work:** Repair of Kotlu Nanj road Km. 0/0 to 6/0 (SH;- ROFD in Km. 0/0 to 0/045,0/810 to 0/870,1/600 to 1/645 & 2/360 to 2/450)SDRF/2019/430 **Estimated Cost :** 3,21,084/- **Earnest Money:** 6500/- **Time :** One month **Cost of Tender Form:** 350/-
3 **Name of Work:** R/R damages on Bhanera to Kotlu Harizan Basti road Km. 0/0 to 3/0 (SH;- C/o R/wall at RD. 1/442 to 1/452 & 1/020 to 1/025) **Estimated Cost :** 3,91,950/- **Earnest Money:** 7900/- **Time :** One month **Cost of Tender Form:** 350/-
4 **Name of Work:** R/R Damages on Karsog Parlog road Km. 0/0 to 12/825 (SH;- C/o R/wall at RD. 2/835 to 2/865) **Estimated Cost :** 4,74,197/- **Earnest Money:** 9500/- **Time :** One month **Cost of Tender Form:** 350/-
5 **Name of Work:** A/R & M/O of SDM residence at Karsog in Tehsil Karsog Distt. Mandi (SH;- Repair to patxhes, painting etc. in building portion) **Estimated Cost :** 1, 51,463/- **Earnest Money:** 3100/- **Time :** One month **Cost of Tender Form:** 350/-
6 **Name of Work:** R/R Damages on Kotlu Katanda road Km. 0/0 to 19/0 (SH:- C/o R/wall at RD. 1/840 to 1/852) Kotlu Side. **Estimated Cost :** 4,95,791/- **Earnest Money:** 10,000/- **Time:** Two month **Cost of Tender Form:** 350/-

TERMS & CONDITIONS:-

1. No tender form will be issued to those contractosr who are not registered under HPGST Act.
2. No tender form will be issued to those contractosr who are not registered under EPF Act
3. The tender forms will not be issued to those contractors whose performance is not found satisfactory.
4. The earnest money for the above work should be attached with the application.
5. The intending contractors/firms shall have to produce the copy of latest enlistment and renewal enlisted in HP,PWD.
6. The work done performance certificate issued by the concerned Executive Engineer required to be produced by the contractor along with application.and the tender form will be issued only those contractors who have similar work done.

Executive Engineer
HPPWD Division Karsog
Distt Mandi H.P on behalf of
Governor of Himachal Pradesh

R.No. 3488/21-22

पृष्ठ 1 का शेष

मनाली में खोला जाएगा जल शक्ति...

करने के लिए पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है। उन्होंने प्रदेशवासियों से महिलाओं के सशक्तिकरण का आग्रह किया क्योंकि इससे मजबूत और जीवंत समाज का निर्माण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी और लॉकडाउन के दौरान प्रदेश सरकार ने देश के विभिन्न भागों में फंसे सभी हिमाचलियों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित की। इस दौरान विशेष बसों और रेल गाड़ियों के माध्यम से लगभग 2. 50 हिमाचलियों को सुरक्षित घर लाया गया।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य सेवाओं व स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रदेश की पूर्व कांग्रेस सरकार ने कोई कार्य नहीं किया। कोरोना महामारी फैलने के समय राज्य में केवल दो ऑक्सीजन संयंत्र और 50 वेंटीलेटर उपलब्ध थे, जबकि वर्तमान में राज्य में 12 कार्यशील ऑक्सीजन संयंत्र तथा 800 वेंटीलेटर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में 28 और ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं।

जय राम ठाकुर ने लोक सभा, पंचायती राज संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों तथा विधानसभा के लिए दो उप–चुनावों में राज्य सरकार का सहयोग करने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोक सभा की सभी चारों सीटें जीती हैं और इसके अतिरिक्त राज्य की पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में भी 75 प्रतिशत सीटें हासिल की हैं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आरम्भ की गई विभिन्न विकासात्मक तथा कल्याणकारी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार ने गरीब व जरूरतमंद लोगों के कल्याण के कोई कार्य नहीं किए।

मुख्यमंत्री ने मनाली में जल शक्ति मण्डल खोलने, नाथन में हेलीपेड के निर्माण, प्राथमिक पाठशाला सरली और गलां को माध्यमिक पाठशालाओं में स्तरोन्नत करने, हलां के अन्तर्गत माध्यमिक पाठशाला शिल्ला उच्च माध्यमिक पाठशाला में स्तरोन्नत करने, राजकीय उच्च माध्यमिक पाठशाला पलचान, हलाण–1, जाणा और शिरार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में स्तरोन्नत करने, बड़ागांव सड़क के लिए 20 लाख रुपये, ब्रां में पशु चिकित्सालय, मनाली विधानसभा क्षेत्र में नई बनी नौ पंचायतों को प्रत्येक के लिए 10 लाख रुपये, हरिपुर पशु औषधालय को पशु अस्पताल में स्तरोन्नत करने, मंजली धार तथा धोलुनाला में स्वास्थ्य उप–केन्द्र खोलने, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रायसन को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्तरोन्नत करने, सजला में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने, नागरिक अस्पताल मनाली में बिस्तरों की क्षमता 50 से 100 करने और मनाली में गौसदन खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मनाली में होटल प्रबंधन संस्थान खोलने का मामला केन्द्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा।

शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाएं समर्पित करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मनाली सड़क को डबल लेन करने के लिए 300 करोड़ रुपये स्वीकृत के लिए भी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आग्रह पर मनाली–कुल्लू लैफ्ट बैंक सड़क मार्ग को भी एनएचएआई द्वारा डबल लेन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्ष में समूचे कुल्लू जिला में अभूतपूर्व विकास हुआ है।

पूर्व सांसद महेश्वर सिंह ने हाल ही में शिमला से वर्चुअल माध्यम से करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा सरकारों के कार्यकाल में राज्य का अभूतपूर्व विकास हुआ है।

राज्य भाजपा उपाध्यक्ष धनेश्वरी ठाकुर और भाजपा मंडलाध्यक्ष दुर्गा सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री और इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्यों का स्वागत किया।

विधायक किशोरी लाल सागर व सुरेंद्र शौरी, जिला भाजपा अध्यक्ष भीमसेन शर्मा, महासचिव अखिलेश कपूर, महिला मोर्चा अध्यक्ष मनीषा सूद, वरिष्ठ भाजपा नेता युवराज बोध, उपायुक्त आशुतोष गर्ग सहित अन्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने मंडी जिला के भदरोता में...

विधानसभा क्षेत्र के गौंटा में लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के बलद्वाड़ा में लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास भी किए। उन्होंने सरकाघाट तहसील के तहत ग्राम पंचायत रोपड़ी चैक, परधा, हवाणी और जझैल के समूह गांवों के लिए जल जीवन मिशन के तहत 26.46 करोड़ रुपये की लागत से उठाऊ जलापूर्ति योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1.98 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बागी खुडी खाहन चनौली सड़क का लोकार्पण किया। उन्होंने प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 6.33 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले डबरेवाल जामनवाल बन मंगोह सड़क के मेटलिंग व टारिंग कार्य और नाबार्ड के तहत 4.58 करोड़ रुपये की लागत से महिला मंडल भवन कास डुमैहर पनियाली टकरेड़ सड़क का भूमि पूजन किया।

जल शक्ति मंत्री महेन्द्र सिंह ठाकुर ने तहसील सरकाघाट में जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायत रोपड़ी चैक, परधा, हवाणी और जझैल के समूह गांवों में 26. 40 करोड़ रुपये लागत की उठाऊ जलापूर्ति योजना का लोकार्पण करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से क्षेत्र में पानी की समस्या का समाधान करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकाघाट क्षेत्र में लगभग 488 करोड़ रुपये लागत की पेयजल और सिंचाई परियोजनाएं कार्यन्वित और स्वीकृत की गई हैं।

सरकाघाट के विधायक कर्नल इन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री का उनके विधानसभा क्षेत्र में पधारने पर स्वागत किया तथा आज सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र में 140 करोड़ रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भदरोटा क्षेत्र उनकी विधानसभा क्षेत्र का सबसे पिछड़ा क्षेत्र था लेकिन वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में इस क्षेत्र का अभूतपूर्व विकास हुआ है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों की विकासात्मक जरूरतों के प्रति संवेदनशील होने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने क्षेत्र में बहुतकनीकी महाविद्यालय खोलने तथा संयुक्त कार्यालय भवन निर्माण की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य चन्द्रमोहन शर्मा ने मुख्यमंत्री तथा अन्य गणमान्यों व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से मुख्यमंत्री को पूर्ण सहयोग देने का आग्रह किया ताकि राज्य में विकास को निरंतर गति प्रदान की जा सके।

बल्ह के विधायक इन्द्र सिंह गांधी, सुन्दरनगर संगठन जिला भाजपा अध्यक्ष दलीप ठाकुर, मण्डी जिला परिषद के अध्यक्ष पाल वर्मा, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष राज बली, भाजपा मण्डल अध्यक्षा निशा ठाकुर, भाजपा नेता डॉ. सीमा ठाकुर, उपायुक्त अरिन्दम चैधरी, पुलिस अधीक्षक शालिनी अग्निहोत्री भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

प्रदेश सरकार कमजोर वर्गों के कल्याण के...

सरकार समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए कई योजनाएं आरम्भ की गई हैं।

अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष वीरेंद्र कश्यप ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए राज्य की अनुसूचित जातियों का सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस आयोग के गठन के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

सैनिकों को राखी बांधने समधो...

हर ग्राम है, हर बाला देवी की प्रतिमा, बच्चा–बच्चा राम है''–गीत गाकर उन्होंने वीर सैनिकों के राष्ट्रभक्ति के जज्बे को सलाम किया।

बाद में, राज्यपाल समदो आर्मी हैलीपैड से लेपचा आउटपोस्ट भी गए और वहां इंडियन तिब्बत बार्डर पुलिस के जवानों से बातचीत की। इस मौके पर एडीएम मोहन दत्त शर्मा , डीएसपी रोहित मृग पूरी सहित सेना के आला अधिकारी मौजूद रहें।

निरमण्ड के गौरा में पलटी जेसीबी,ऑपरेटर की मौत

डंगा धंसने से हुआ हादसा

आनी, हिमालयन अपडेट

शनिवार को निरमण्ड के तहत लोट पंचायत के गौरा में सड़क बहाली के कार्य में जुटी एक जेसीबी सड़क का डंगा धंसने से अचानक दुर्घटना हो गई जिसमें सवार जेसीबी ऑपरेटर की मौके पर मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हुआ,जिसे उपचार के लिए निरमण्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीएसपी आनी रविन्द्र नेगी ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शनिवार को निरमण्ड खण्ड की लोट पंचायत में बारिश के कारण अबरुद्ध गौरा एम्बुलेंस रोड को बहाल करने के लिए एक निजि जेसीबी नम्वर एचपी 55 सी–0167 को कार्य पर लगाया गया था जो सड़क को बहाल करते हुए जब गौरा नामक स्थान के पास पहुंची और यहां सड़क के पीछे गिरे मलबे को हटाने के कार्य में जुटी तो इसी बीच सड़क के आगे का डंगा अचानक धंस गया। इससे पहले की जेसीबी ऑपरेटर सम्भल पाता जेसीबी 80 फुट नीचे लुढ़ककर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।इस हादसे में जेसीबी में सबार ऑपरेटर को गम्भीर चोटें लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई जबकि जेसीबी में सवार पँचायत के पंच पपनेश को अंदरूनी चोटें आईं जिन्हें उपचार के लिए निरमण्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीएसपी रविन्द्र नेगी ने बताया कि मृतक जेसीबी ऑपरेटर की शिनाख्त ओम चन्द पुत्र गंगा राम निवासी गांव गवाड़ तहसील चिचैऊट मंडी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटना का जायजा लिया और 174 सीआरपीसी के तहत मामला दर्ज किया। डीएसपी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसे अंतिम संस्कार हेतू उसके परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

200 करोड़ रुपये की लागत से पराला मण्डी में प्रोसेसिंग प्लांट तथा सीए स्टोर, मार्किटिंग शैड तथा पार्किंग का कार्य युद्ध स्तर पर जारी : सुरेश भारद्वाज

शिमला, हिमालयन अपडेट

प्रोसेसिंग प्लांट, सीए स्टोर, मार्किटिंग शैड, पार्किंग एवं अन्य आधुनिक सुविधाओं से लैस कर पराला मण्डी को आदर्श मण्डी के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह बात आज शहरी विकास, आवास, नगर नियोजन, संसदीय कार्य, विधि एवं सहकारिता मंत्री सुरेश भारद्वाज ने फल मण्डी पराला के प्रोसेसिंग प्लांट, सीए स्टोर तथा मण्डी के निरीक्षण के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि 200 करोड़ रुपये की लागत से पराला मण्डी में प्रोसेसिंग प्लांट तथा सीए स्टोर, मार्किटिंग शैड तथा पार्किंग का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है, जिसे जल्द पूर्ण कर लिया जाएगा ताकि बागवानों को इस आधुनिक तकनीक से निर्मित पराला मण्डी का लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि पराला मण्डी में 70 हजार से एक लाख तक सेब की पेटियां रोज़ाना आती है और वहीं इस पराला मण्डी में लोगों को अन्य मण्डियों से अच्छे भाव मिलते है। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिए कि विभिन्न मण्डियों में सीसीटीवी कैमरा व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाएं ताकि आढ़ती, लदानी एवं बागवानों को सुविधाएं मिल सके।

उन्होंने कहा कि हम पराला मण्डी में बैंक की शाखा खोलने के लिए बैंक के अधिकारियों से मण्डी का निरीक्षण कर इस दिशा में तुरन्त कदम उठाने के निर्देश दिए।

उन्होंने उपमण्डलाधिकारी ठियोग सौरव जस्सल को मण्डी के आसपास सरकारी जमीन देखने के दिशा–निर्देश दिए, जिससे पराला मण्डी में लोडिंग तथा अनलोडिंग के लिए जगह बनाई जा सके और बाहरी राज्यों से आए ट्रांसपोर्टरों तथा लदानियों के साथ–साथ आढ़तियों को भी इस सुविधा का लाभ प्राप्त हो सके।

मार्किटिंग शैड के निर्माण के संबंध में उन्होंने मार्किटिंग बोर्ड एपीएमसी एवं आढ़ती एसोसिएशन से परस्पर बैठक कर स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पराला मण्डी में अधिक मात्रा में सेब आने तथा ओलावृष्टि एवं सेब के आकार के कारण दामों में अवश्य कमी आंकी गई है, जो नीचले व मध्यम क्षेत्र के अधिक तुड़ान के कारण भी संभव हो सकती है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सेब राज्य के रूप में जाना जाता है। 5 हजार करोड़ की आर्थिकी सेब से प्रदेश को होती है, जहां बागवानों को इस आर्थिकी का फायदा होता है वहीं बाहरी राज्यों से आए व्यापारी तथा ट्रांसपोर्टर तथा लोडिंग एवं अनलोडिंग करने वाले मजदूरों को भी फायदा मिलता है।

इस दौरान अध्यक्ष एपीएमसी नरेश शर्मा ने कहा कि पराला मण्डी में सेब के दामों में हिमाचल प्रदेश तथा अन्य प्रदेशों की मात्रा में बागवानों को अच्छे दाम दिए जा रहे हैं तथा क्षेत्र का अधिकतर बागवान पराला मण्डी में ही अपने सेब के उत्पाद को पहुंचाता है। उन्होंने आढ़ती एसोसिएशन से निवेदन किया कि बागवानों को अधिक से अधिक दाम देने की कोशिश करें जिससे इस मण्डी में और अधिक सेब बागवानों द्वारा भेजा जा सके।

इस अवसर पर आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान हरीश ठाकुर, मण्डलाध्यक्ष राजेश शारदा, हिमाचल प्रदेश विपणन बोर्ड के प्रबंध निदेशक नरेश ठाकुर, उपमण्डलाधिकारी ठियोग सौरव जस्सल, डीएसपी लखविन्द्र सिंह, एपीएमसी सचिव किन्नौर–शिमला ओपी बसंल, सैंज के प्रधान राजेन्द्र शर्मा तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

वीरभद्र द्वारा की गई घोषणाएं जमीन पर उतरी, जो कहते थे वो होती थी पत्थर की लकीर

क्षेत्र को बांटने का काम न करें मुख्यमंत्री :–विक्रमादित्या सिंह

आनी, हिमालयन अपडेट

आनी के राजा रघुवीरसिंह स्टेडियम में कांग्रेस नेता एवं शिमला ग्रामीण के विधायक विक्रमादित्य सिंह ने पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिये प्रदेष सरकार एवं मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री क्षेत्र के नाम पर बांटने का प्रयास न करें । कांग्रेस ने हमेशा पूरे हिमाचल को एकसूत्र में पिरोने का काम किया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवाद जातिवाद से उपर उठकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए वीरभद्र सरकार 2005 में कानून लेकर आ गई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसी घोषणाएं करती है जो जमीन पर नहीं उतरती इसलिए ऐसी घोशणाओं का कोई महत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि वीरभद्रसिंह जो बोलते थे वो पत्थर की लकीर हुआ करती थी । वीरभद्र द्वारा की गई घोशणाओं को रोकने की मजाल किसी में नहीं थी।

वहीं, आनी विस क्षेत्र के विधायक किषोरीलाल सागर को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि विधायक किशोरीलाल सागर जनता की महत्वाकांक्षा पर नहीं उतरे। उन्होंने कहा कि विधानसभा के अंदर विस क्षेत्र आनी की आवाज को मजबूती से नहीं उठाया जाता। उन्होंने कहा कि वे गरिमा का ख्याल रखते हुए विधानसभा के अंदर कुछ नहीं बोलते , लेकिन विधायक की यही स्थिति रही तो वे आनी की आवाज विधानसभा के अंदर उठाने में भी गुरेज नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि आनी क्षेत्र की जनता के साथ उनका राजनीति से हटकर परिवारिक रिष्ता रहा है।

इस अवसर पर रामपुर के विधायक नंदलाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष बुद्धिसिंह ठाकुर, जिप अध्यक्ष पंकज परमार, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष चंद्रकेष षर्मा, अतुल षर्मा, पूर्व एपीएमसी चेयरमैन यूपेन्द्रकांत मिश्रा, पंचायत समिति अध्यक्ष विजय कंवर, जिप अध्यक्षा षिमला चंद्रप्रभा नेगी, राजकुमारी सोनी प्रभारी आनी विस, जिप सदस्य उज्जवल सेन मेहता, चंद्रमोहन सूद, संतोश ठाकुर, सतपाल सहित तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कर्मचारी चयन आयोग सांख्यिकी सहायक, जेई सिविल भर्ती का परीक्षा परिणाम घोषित

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग ने सांख्यिकी सहायक पोस्ट कोड 866 और जूनियर इंजीनियर सिविल पोस्ट कोड 882 की लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इन अभ्यर्थियों की मूल्यांकन परीक्षा 14 सितंबर को आयोग के कार्यालय में साढ़े नौ बजे से होगी। आयोग ने जूनियर इंजीनियर (सिविल) के 24 पदों के लिए 17 अप्रैल को लिखित परीक्षा ली थी। जिसमें 4117 अभ्यर्थी बैठे थे। इनमें से 79 ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। इनकी मूल्यांकन परीक्षा आयोग के कार्यालय में 15 सितंबर को सुबह साढ़े नौ बजे से होगी। आयोग के सचिव डा. जितेंद्र कंवर ने कहा कि निर्धारित तिथियों को यह अभ्यर्थी अपने दस्तावेजों सहित मूल्यांकन परीक्षा में भाग ले सकते हैं।

आनी में 39429 लोगों को पहला व 14091 को लग चुका है दूसरा डोज़

आनी, हिमालयन अपडेट

कोरोना वैक्सिनेशन में हिमाचल पूरे देश में अव्वल स्थान पर है ।

आनी खंड की बात यहां पर सरकार के दिशा–निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग तत्तपरता से लोगों की सेवा में जुटा है। आनी में चिक्तिसा अधिकारी से लेकर स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, स्वास्थ्य कर्मी,लैब टेक्नीशियन,आशा वर्कर ,चतुर्थ श्रेणी कर्मी व अन्य स्टाफ़ बेहतरीन काम कर रहे हैं।

कोरोना सैंपलिंग के लिए सरकार द्वारा पर्याप्त मात्रा में टेस्ट किटें उपलब्ध करवाई जा रही है ।

चाहे रेपिड एंटीजन टेस्ट हो या फिर आरटी–पीसीआर ,स्वास्थ्य विभाग द्वारा न केवल स्वास्थ्य केंद्रों बल्कि घर–द्वार में जाकर भी टेस्ट किये जा रहे हैं ।

बीएमओ आनी डॉ० मेहता ने बताया कि अब तक 39429 पहला व 14091 दूसरा डोज़ दिया जा चुका है और जल्द आनी में शत–प्रतिशत वैक्सिनेशन कार्य पूरा किया जाएगा ।

सोलन में पैरा बोसिया कोर्ट मस्कुलर डिस्ट्रॉफी प्रभावितों के लिए नए रास्ते खोलेगा

शिमला, हिमालयन अपडेट

मस्कुलर डिस्ट्रॉफी यानी पांसपेशीय दुर्विकास एक ऐसा तांत्रिका संबंधी विकार है जिसमें प्रभावित व्यक्ति अपने दैनिक कार्यों के लिए भी पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हो जाता है। कोई सोच भी नहीं सकता कि ऐसा व्यक्ति मैदान में खेल भी सकता है।

लेकिन यह पेरा बोसिया नामक खेल के साथ संभव हो गया है। यह एक ऐसा खेल है जिसमें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से प्रभावित लोग भाग ले सकते हैं। अच्छी खबर यह है कि एकीकृत मस्कुलर डिस्ट्रॉफी पुनर्वास केंद्र, सोलन में पैरा बोसिया के लिए इस खेल के मैदान को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मस्कुलर डिस्ट्रॉफी ने डिजाइन किया है।

पैरा बोसिया स्पोर्ट्स वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष जसप्रीत सिंह धालीवाल ने बताया कि बोसिया खेल वर्ष 1984 से पैरालोंपिक खेल के रूप में खेला जा रहा है। यह पैरालोंपिक खेलों में एक प्रतिस्पर्धी खेल आयोजन रहा है। यह खेल पूरी तरह व्हीलचेयर से चलने वाले खिलाड़ियों के लिए पैरालोंपिक खेलों में चार श्रेणियों के लिए बनाया गया है। सोलन में 29 अगस्त, 2021 को सायं 3 बजे ऐतिहासिक बोसिया प्रशिक्षण शिविर लगाया जा रहा है। सोलन जिला की उपायुक्त कृतिका कुल्हारी इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

निरमण्ड के दुर्गम क्षेत्र सरघा में लोगों ने जाना अनुसूचित जाति, जन जाति अत्याचार निवारण अधिनियम

आनी, हिमालयन अपडेट

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा तहसील कल्याण अधिकारी निरमण्ड के माध्यम से निरमण्ड खण्ड की दुर्गम ग्राम पंचायत सरघा मे 'अनुसूचित जाति, जन जाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 व् अन्य विभागीय योजनाओं पर एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में तहसील कल्याण अधिकारी निरमण्ड द्वारा उपस्थित ग्राम वासियों को अधिनियम की व अन्य कल्याणकारकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, स्वर्ण जयंति आश्रय योजना, अंतर्जातीय विवाह पुरस्कार, दिव्यांग विवाह अनुदान आदि योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होंने कहा कि विभाग दूरदराज़ के पात्र व्यक्तियों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

शिल्लीधार में बादल फटा, मची तबाही

आनी, हिमालयन अपडेट

आनी विकास खंड की पंचायत पलेही में भारी बारिश ने खासी तबाही मचाई है। क्षेत्र की समाजसेवी एवम बीडीसी की पूर्व अध्यक्षा अंजना भारती ने बताया कि शुक्रवार देर रात को भारी बारिश ने पलेही पंचायत में खासी तबाही मचाई है। भारी बारिश से आई बाढ़ के कारण कई जगहों पर उपजाऊ भूमि और सेब के बगीचों को भारी क्षति पहुंची है। जबकि शानी से शीलधार छडेराबाई सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

भारी बारिश के चलते छडेराबाई निवासी ओमप्रकाश,सुरेंद्र, सतपाल,भूपेंद्र,सांविन्द्र,लायक राम,देवी सिंह,शांति स्वरूप ,रणवीर जबकि शीलधार निवासी कंवर सिंह कायथ,नामी राम,उग्रसेन कटेरा आदि के रिहायशी मकानों के पीछे भूस्खलन होने से उनके घरों को खतरा पैदा हो गया है। भारी बारिश से पेयजल लाइनों को भी क्षति पहुंची है। बीडीसी की पूर्व अध्यक्षा अंजना भारती ने आनी प्रशासन से क्षेत्र में भारी बारिश से हुई क्षति का जायजा लेने और प्रभावित लोगों को राहत प्रदान की मांग की है।

बीमारी से लाचार महिला की मदद को आगे आया मंडी जिला प्रशासन

मंडी, हिमालयन अपडेट

बीमारों–लाचारों की सेवा और सहायता के मंडी जिला प्रशासन के जज्बे ने 32 वर्षीय भावना देवी के जीवन को सरकारी सहारे से मिली मजबूती और भरोसे के भावों से भर दिया है। जिला प्रशासन ने बीमारी से लाचार भावना देवी की मदद को हाथ आगे बढ़ाए हैं।

बता दें, मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर के निर्देशानुसार मंडी जिला में बीमारों–लाचारों की मदद के लिए व्यापक अभियान चलाया गया है। इसमें पंचायतों के सहयोग से ऐसे सभी रोगियों की पहचान की जा रही है, ताकि प्रशासन उनकी मदद कर सके और सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ उन तक पहुंचाया जा सके।

ये है पूरा मामला

जिला रेडक्रॉस सोसाइटी मंडी के सचिव ओपी भाटिया ने बताया कि ग्राम पंचायत तरयाम्बली के गांव भनवाड़ की 32 वर्षीय भावना देवी 7 साल की उम्र से ही मिर्गी के रोग से पीड़ित हैं और चलने–फिरने में भी असमर्थ हैं। उनके पिता रोनू राम का स्वर्गवास हो चुका है। ऐसे में बीमारी पर खर्चे की बड़ी दिक्कत रहती थी। भावना देवी के पांव व हाथ में गहरे जख्म हैं, जिसकी ड्रेसिंग हर तीसरे दिन करनी होती है, जिस पर खर्च होने वाली राशि का इंतजाम भी उनके लिए एक चुनौती ही था।

इस बात की जानकारी जब उपायुक्त अरिंदम चौधरी को मिली तो उन्होंने तुरंत स्वास्थ्य विभाग और जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के अधिकारियों को भावना की मदद के लिए उनके घर भेजा। भावना के घर पहुंची जिला प्रशासन की टीम ने उनके लिए निःशुल्क दवाईयों और ड्रेसिंग की व्यवस्था की। उन्हें अब जल्द ही व्हील चेयर भी प्रदान की जानी है। इसके अलावा रेडक्रॉस सोसाइटी हर 3 महीने में निशुल्क दवाईयां मुहैया करवाने और समय समय पर घावों की ड्रेसिंग की व्यवस्था का जिम्मा देखेगी। भावना देवी को अन्य सभी सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने की प्रक्रिया भी तेजी से पूरी की जा रही है।

सीएम की मदद से कृतज्ञ भावों से भरे भावना के पूरे परिवार सहित संपूर्ण क्षेत्र के लोगों ने एकस्वर में मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर का आभार जताया है।

भावना की मां ठाकरी देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री की मदद से उनके परिवार को बड़ा संबल और सहारा मिला है। बकौल ठाकरी देवी ''भला हो ऐसा सरकारा रा, सरकारी मदद से भावना के ईलाज की चिंता खत्म हो गई, डॉक्टरों की निगरानी से स्वास्थ्य की ठीक देखभाल हो जाएगी, हम सीएम साब के बड़े आभारी हैं।'

रोजगार की तलाश अब होगी आसान, लोकमित्र केन्द्रो में होगा पंजीकरण

गोहर, हिमालयन अपडेट

जिला मंडी के किसी भी क्षेत्र में रह रहे असंगठित मजदूरों का अब लेबर कार्ड बनेगा। इस कार्ड से उन्हें रोजगार की तलाश में आसानी होगी। कोरोना को लेकर लगाए गए लाकडाउन का जनजीवन पर व्यापक असर पड़ा है। गरीब श्रमिक वर्ग इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। इसके मद्देनजर सरकार ने अन्य राज्यों के श्रमिकों का डाटा कलेक्शन शुरू कर दिया है। इसके तहत अन्य राज्यों के श्रमिकों को स्वयं को पंजीकृत करवाना होगा।

श्रमिकों को एक विशेष आइडी मिलेगी। यह आइडी उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेगी। चंबा जिला में बुधवार से इस योजना को शुरू कर दिया गया है। पहले दिन मंडी जिला के कामन सर्विस सेंटर (सीएससी) में श्रमिकों ने लेबर कार्ड बनवाये । कामन सर्विस सेंटर मंडी के जिला प्रबंधक भूपेन्द्र नेगी ने बताया कि 60 साल की आयु तक वाले हर असंगठित मजदूर का यूनीक लेबर कार्ड बनेगा। इसके लिए जिले के सभी सक्रिय सीएससी संचालकों को वर्चुअल प्रशिक्षण भी दे दिया गया है। श्रमिकों के डाटा कलेक्शन व यूनीक आइडी का कार्य निश्चित रूप से श्रमिक कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण होगा। आयकर, आइटीआर और ईपीएफओ खाताधारकों का इस योजना के तहत कार्ड नहीं बनेगा। असंगठित क्षेत्र वह है जिसमें श्रमिक केवल अपने मेहनताने अथवा मजदूरी का ही हकदार होता है, उसके काम का दिन, समय आदि कुछ निश्चित नहीं होता है। ऐसे क्षेत्रों में निर्माण कार्य, छोटी फैक्ट्रियां, कृषि क्षेत्र व दुकानें शामिल हैं।

इस तरह बनेगा कार्ड

राकेश कुमार ने बताया कि यूनीक लेबर कार्ड बनवाने के लिए मजदूरों को आधार कार्ड, बैंक पास बुक और खुद का मोबाइल फोन नंबर लेकर सीएससी सेंटर चैल चौक में जाना होगा। उन्हें शैक्षणिक प्रमाणपत्र व आय का सर्टिफिकेट भी देना होगा। सीएससी संचालक मोबाइल फोन के ओटीपी, अंगुली के निशान और आंखों का सत्यापन करने के एक घंटे बाद लेबर कार्ड उपलब्ध करा देगा। डाटाबेस से ही बनेंगी नई योजनाएं

कामगारों के यूनीक आइडी कार्ड के आधार पर पता लग सकेगा कि कितने कामगार असंगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इस डाटाबेस के आधार पर सरकार नई योजनाएं व नीति बनाएगी जिसका कामगारों को फायदा मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि कामगार असंगठित क्षेत्र में कार्य कर रहा हो। वह ईपीएफ या ईएसआइ का सदस्य न हो। वह आयकर के दायरे में नहीं होना चाहिए।

राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक ने लागू की 'एक मुश्त ऋण अदायगी योजनाएं

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक ने प्रदेश के किसानों कामगारों व बागवानों को राहत प्रदान करने के लिए दो एक मुश्त ऋण अदायगी योजनाएं लागू की है। इस योजना के तहत प्रदेश के किसानों व बागवानों को अपने ऋणों की बकाया राशि के एक मुश्त भुगतान पर ब्याज में छूट देने का प्रावधान है।

बैंक की अध्यक्षा शशिबाला ने आज यहां यह जानकारी देते हुए कहा कि बैंक ने कोरोना काल के दौरान प्रदेश के किसानों, बागवानों व कामगारों के लिए दो एक मुश्त ऋण अदायगी योजनाएं लागू की हैं जिससे प्रदेश के हजारों ऋण धारकों को ब्याज में छूट मिल सकेगी।

उन्होंने कहा कि पहली एक मुश्त ऋण अदायगी योजना के अन्तर्गत प्रदेश के उन किसानों को अपनी रहन रखी भूमि को छुड़ाने का सुनहरा अवसर मिलेगा जिनकी बैंक ने पूर्व में ऋण की अदायगी न करने पर भूमि नीलामी के माध्यम से खरीद ली थी। ऐसे किसानों को भूमि छुड़ाने हेतु एक मुश्त ऋण अदायगी करने पर 4 प्रतिशत से 6 प्रतिशत तक ब्याज में छूट का प्रावधान है। इस योजना के अन्तर्गत पिछले वर्ष के दौरान भी बैंक ने प्रदेश के किसानों को मूल्य 2.82 करोड़ रुपये की ब्याज में छूट दी थी। यह योजना 31 दिसम्बर, 2021 तक लागू रहेगी।

शशि बाला ने दूसरी एक मुश्त ऋण अदायगी योजना की जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे किसान व बागवान जिन्होंने मार्च 2012 से पूर्व बैंक से ऋण लिया व किन्ही कारणवश वे अपनी ऋण की राशि नहीं चुका पाए हैं, ऐसे ऋण धारकों को भी बैंक द्वारा लगाए गए दण्डात्मक ब्याज में छूट का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि ऐसे किसानों से सिर्फ साधारण ब्याज ही वसूला जाएगा व दण्डात्मक ब्याज में पूर्ण रूप से छूट दी जाएगी।

उन्होंने प्रदेश के किसानों, बागवानों व कामगारों से अपील की है कि वे इन दोनों योजनाओं में दिए जाने वाले ब्याज में छूट का लाभ उठाए और अपने ऋण की बकाया राशि की एक मुश्त अदायगी सुनिश्चित करें ताकि प्रदेश में ऋणों को प्रदान करने में तेजी लाई जा सके।

छोड़ो अफवाहें, लगवाओ वैक्सीन, भागेगा कोरोना, जिंदगी होगी हसीन

ऊना, हिमालयन अपडेट

छोडो अफवाहें, लगवाओ वैक्सीन। भागेगा कोरोना, जिंदगी होगी हसीन। यह जागरुकता संदेश भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के फील्ड आउटरीच ब्यूरो हमीरपुर द्वारा चलाए गए पांच दिवसीय अभियान के दौरान लोगों को दिया तथा शीघ्र वैक्सीनेशन करवाने का आहवान किया। तीसरे दिन नर्सिंग छात्राओं व डोहरू मंडलियों द्वारा पंपलेट बांटकर सुरक्षा नियमों व वैक्सीन लगवाने बारे जागरूक किया गया।

मोबाइल वैन द्वारा भदसाली, ईसपुर बाग, पंडोगा, खड्ड, दौलतपुर, पंजाबर, नंगनोली बढ़ेड़ा राजपूतां, कलोह, टटेहड़ा व अंबोटा आदि स्थानों पर पीएम के संदेशों ऑडियो जिंगल्स पंपलेट व मास्क बांटकर तथा कोरोना की तीसरी लहर से बचाव बारे भी जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा जारी कोविड संबंधित दिशा–निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने बारे भी जागरूकता का संदेश दिया।

पांच साल में भी पूरा नहीं हो पाया जमा दो स्कूल दलाश का साईंस ब्लाक

आनी,हिमालयन अपडेट

विकास खण्ड आनी के ग्राम पंचायत दालाश के दलाश स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला का साईंस ब्लॉक पांच साल में भी बनकर तैयार नहीं हो पाया है।बताते चलें कि पांच साल पहले. पूर्व सरकार ने साईंस ब्लाक भवन के निर्माण को हरी झंडी दिखाई थी। मगर पांच साल बाद भी भवन का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है.जिससे यहां अध्ययनरत छात्र छात्राओं को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार और शिक्षा विभाग भवन निर्माण कार्य को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। गौर हो कि पूर्व में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व.वीरभद्र सिंह ने वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दलाश में 30 अप्रैल 2016 को विज्ञान विषय के विधार्थियों की सुविधा को देखते हुए साईंस बलांक भवन का शिलान्यास किया था। इस ब्लॉक के निर्माण पर करोड़ों की राशि खर्च की जानी है। पूर्व में इस भवन को दो मंजिला बनाना प्रस्तावित था। पूर्व मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग को इस भवन को चार मंजिला बनाने के निर्देश दिये थे।इसके बाद इस भवन के निर्माण कार्य में बजट का रोडा अटका।लोक निर्माण विभाग के पास भवन बनाने के लिए जो राशि उपलब्ध थी वह लगभग खर्च हो चुकी है। अब बजट का प्रावधान न होने के कारण भवन निर्माण अधूरा पडा है। भवन के लिए अगर शिघ्र बजट का प्रावधान नहीं हुआ तो बनाया गया अधूरा भवन भी गिर सकता है क्यों कि इसकी स्थिति भी दयनीय हो गई है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. विपिन कुमार का कहना है कि साईंस भवन न बनने के कारण साईंस विषय के छात्रों को सबसे ज्यादा दिक्कत आ रही है। उन्हें प्रैक्टिकल वर्क करने में परेशानी झेलनी पड रही है।उन्होंने बताया कि अगर सांईस भवन का निर्माण जल्द हो जाता तो स्कूल में कमरों की कमी भी दूर हो जाएगी और विज्ञान के छात्रों को भी सुबिधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि विभाग के उच्च अधिकारियों को इस बारे में सूचित कर लिया गया है।

वहीं इस बारे में लोक निर्माण उपमण्डल दलाश के एस.डी.ओ. संजय शर्मा ने बताया कि बजट की कमी के कारण दलाश साईंस ब्लॉक का काम अधर में लटका है। जबकि शिक्षा विभाग को बजट की कमी के बारे में सूचित किया गया है।

हमीरपुर मे जेओए आईटी का टाइपिंग टेस्ट स्थगित होने पर भड़के अभ्यर्थी

हमीरपुर, हिमालयन अपडेट

जेओए आईटी पोस्ट कोड 817 का टाइपिंग टेस्ट स्थगित होने पर अभ्यर्थी भड़क गए हैं। शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर में जेओए आईटी का टाइपिंग टेस्ट देने पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग ने बीते वीरवार शाम को जेओए टाइपिंग टेस्ट स्थगित करने की सूचना अपनी वेबसाइट के माध्यम से दी। लेकिन प्रदेशभर से दर्जनों अभ्यर्थी एक दिन पहले ही हमीरपुर पहुंच चुके थे।

कई अभ्यथियों को बस सुविधा न मिलने के कारण हमीरपुर पहुंचने के लिए निजी टैक्सियों में पांच से 10 हजार रुपये खर्च करने पड़े। कुछ लोगों ने रात को होटलों में ठहरने के लिए कीमत चुकाई। तो अधिकतर अभ्यर्थियों ने बस अड्डे पर खुले में रात गुजारी। टाइपिंग टेस्ट स्थगित होने की सूचना सही समय पर न मिलने के कारण अभ्यर्थी नाराज हैं। समय पर सूचना न मिलने के कारण शिमला, किन्नौर, चंबा सहित प्रदेश भर से हमीरपुर पहुंच उम्मीदवार परेशान हैं। आयोग में पहुंचे अभ्यर्थियों ने चयन आयोग के सचिव को ज्ञापन सौंपा कर समस्या का समाधान करने की गुहार लगाई।

प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर चयन आयोग ने स्थगित टाइपिंग टेस्ट किया है। कोर्ट के आदेश पर 27 अगस्त से 5 सितंबर तक होने वाले टाइपिंग टेस्ट पर चयन आयोग ने रोक लगाई है।

अभ्यर्थियों की समस्याओं को देखते हुए हमीरपुर पंचायत समिति के उपाध्यक्ष संजीव शर्मा भी आयोग पहुंच गए। उन्होंने प्रदेश सरकार और आयोग से मांग की है कि अभ्यर्थियों को जो असुविधा हुई है और होटलों में ठहरने और टैक्सियों व बसों में सफर के लिए जो किराया चुकाना पड़ा है, उसकी एवज में उन्हें मुआवजा दिया जाए।

17 करोड़ से होगा घुमारवीं की चार सड़कों का कायाकल्प

लेठवीं–लंजता–बेला सड़क होगी अपग्रेड, तीन सड़कें बनेगी बस योग्य

बिलासपुर, हिमालयन अपडेट

घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र की चार सड़कों का कायाकल्प होगा। जिनमें एक सड़क अपग्रेड़ होगी तथा तीन सड़कें बस चलने योग्य बनेंगी। इन सड़कों पर लगभग 16. 92 करोड़ रूपये खर्च होंगे। विधायक प्राथमिकता में डाली गई इन सड़कों के कार्यों के लिए नावार्ड से हरी झंडी मिल गई है। नावार्ड के तहत होने वाली इन सड़कों में लेठवीं–लंजता–बेला सड़क, एनएच–3 से गांव भगड़वान, चोखणा–मुंडखर ढलोह से हमीरपुर की सीमा दख्योडा तक तथा घुमारवीं– रोपडी– सिल्ह– मरहोल सड़क शामिल है। खास बात यह है कि इन सड़कों के कायाकल्प के लिए बजट भी स्वीकृत हो गया है। इसके बाद अब इन सड़कों के कार्यों के लिए टेंडर आवंटित किए जाएंगे। बरसात का मौसम खत्म होते ही इन सड़कों पर काम शुरू कर दिया जाएगा। जिससे इन सड़कों से लाभान्वित होने वाले हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग ने घुमारवीं की चार सड़कों के बजट स्वीकृत होने की पुष्टि की है।

इन सड़कों में लेठवीं–लंजता –बेला सड़क अपग्रेड़ होगी। 3.92 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर 3. 92 करोड़ रूपये खर्च होंगे। जबकि एनएच–103 से गांव भगडवान करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क पर 1.85 करोड़ रूपये खर्च किये जाएंगे। चोखणा–मुंडखर–ढलोह से हमीरपुर जिला की सीमा दख्योड़ा तक लगभग 5 किलोमीटर लंबी सड़क पर 5.42 करोड़ रूपये खर्च होंगे। इसके अलावा करीब 6.30 किलोमीटर लंबी घुमारवीं– रोपड़ी– सिल्ह– मरहोल सड़क पर 5.70 करोड़ रूपये खर्च किये जाएंगे। इन सड़कों का कायाकल्प करने के लिए नावार्ड से स्वीकृति मिल गई है। इसके बाद इनके निर्माण कार्यों के लिए टेंडर किए जाएंगे। टेंडर होने के बाद इन सड़कों पर काम शुरू हो जाएगा। इन सड़कों का कायाकल्प होने से लोगों का सफर भी सुहावना होगा। जानकारी के मुताबिक घुमारवीं चुनाव क्षेत्र की चार सड़कों को खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग ने विधायक प्राथमिकता में डाला गया था। नावार्ड से अब इन सड़कों की स्वीकृति मिल गई है।

लेठवीं–लंजता–बेला सड़क होगी अपग्रेड

लेठवीं–लंजता–बेला सड़क अपग्रेड़ होगी। 3.92 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर 3.92 करोड़ रूपये खर्च होंगे। इस सड़क को पहले से अधिक चैड़ा किया जाएगा। सड़क के किनारे नालियां का निर्माण होगा। गड्ढों से निजात मिलेगी। सड़क पर तारकोल बिछा कर चकाचक किया जाएगा। जिससे इस सड़क पर वाहनों से सफर करने वाले लोगों को राहत मिलेगी।

बस योग्य बनेगी ये तीन सड़कें

नावार्ड से मिली स्वीकृति में शामिल सड़कों में घुमारवीं–रोपडी–सिल्ह–मरहोल, एनएच–3 से गांव भगड़वान, चोखणा–मुंडखर ढलोह से हमीरपुर की सीमा दख्योडा तक शामिल हैं। इन सड़कों को बस चलाने योग्य बनाया जाएगा। जिससे इन सड़कों से लाभान्वित होने वाले बस सुविधा से वंचित हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्र की इन सड़कों के चकाचक होने से हजारों लोगों को बस की सुविधा घर–द्वार मिलेगी।

चार सड़कों का होगा कायाकल्प

घुमारवीं की चार सड़कों का कायाकल्प होगा। इनमें एक सड़क अपग्रेड होगी तथा तीन सड़कों को बस योग्य बनाया जाएगा। इन सड़कों को विधायक प्राथमिकता में डाला गया था। जिनकी नावार्ड से स्वीकृति मिल गई है तथा बजट भी उपलब्ध है। शीघ्र ही इन सड़कों का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। राजेंद्र गर्ग, खाद्य आपूर्ति मंत्री, प्रदेश सरकार।

कुत्ते की जान बचाने को उफनती नदी में कूदा नेपाली युवक

आनी, हिमालयन अपडेट

आनी के लूहरी में नदी के तेज बहाव के कारण वहे एक कुत्ते की जान बचाने के लिए नेपाली मूल का एक युवक उफनती नदी में कूद गया और अपनी जान की परवाह किये बिना.तैरते हुए कुत्ते तक पंहुचा और उसे किनारे लगाकर उसकी जान बचाई।गौर हो कि इन दिनों भारी वारिश के चलते नदियों का जलस्तर पूरे उफान पर है और चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने को कई मवेशी व कुत्ते नदी के किनारे लेट जाते हैं. जो उफनती नदी के अचानक बढ़ने बाले जल स्तर व तेज वहाव के कारण.इसकी चपेट में आकर वह जाते हैं और ऐसा ही वाक्या बुधवार को आनी के लूहरी में भी पेश आया.जहाँ एक कुत्ता उफनती नदी की चपेट में आकर वह गया।इसी बीच.नेपाली मूल के एक युवक की नजर जब नदी में वह रहे कुत्ते पर पड़ी तो.वह उसे बचाने के लिए अपनी जान की परवाह किया बिना. नदी में कूद गया और नदी की ख़ौफ़नाक लहरों को चीरकर तैरते हुए कुत्ते तक पहुँचा और उसे किनारे लगाकर उसकी जान बचाई।इस नजारे को देखने बाले प्रत्यशदर्शियों ने नेपाली मूल के व्यक्ति की इस बहादुरी की भूरी भूरी प्रशंसा की है।

मुख्यमंत्री ने सिद्धू के सलाहकारों को भारत की शांति को भंग करने की संभावनाएं रखने वाली राष्ट्र विरोधी टिप्पणियाँ खुलेआम करने के लिए लगाई ताड़ना

गर्ग और माली को पंजाब कांग्रेस के प्रधान को सलाह देने तक अपना काम करने और संवेदनशील मुद्दों पर न बोलने के लिए कहा

चण्डीगढ़, हिमालयन अपडेट

कश्मीर और पाकिस्तान जैसे संवेदनशील राष्ट्रीय मामलों पर नवजोत सिंह सिद्धू के दो सलाहकारों के हाल ही में आए बयानों का सख़्त नोटिस लेते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने आज ऐसी घिनौनी और बुरी टिप्पणियों के विरुद्ध ताड़ना की, जिनसे राज्य के साथ–साथ देश की अमन–शान्ति और स्थिरता के लिए ख़तरा पैदा हो सकता है।

कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने सिद्धू को भी अपने सलाहकारों को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान को सलाह देने तक सीमित रखने और उन मसलों पर ना बोलने के लिए कहा जिन संबंधी उनको या तो थोड़ा–बहुत पता है या फिर बिल्कुल ही कोई जानकारी नहीं है और उनको अपनी टिप्पणियों के निकलने वाले अर्थों की भी समझ नहीं है।

मुख्यमंत्री ने यह प्रतिक्रिया डॉ. प्यारे लाल गर्ग द्वारा पाकिस्तान की निंदा करने पर उनको (कैप्टन अमरिन्दर सिंह) किए गए सवाल और इससे पहले कश्मीर संबंधी मालविन्दर सिंह माली की विवादास्पद बयानबाज़ी के संदर्भ में सामने आई है। इन दोनों को सिद्धू ने हाल ही में अपना सलाहकार नियुक्त किया है।

कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने माली और गर्ग के आश्चर्य भरे बयानों पर हैरानी ज़ाहिर करते हुए कहा कि यह बयान पाकिस्तान और कश्मीर संबंधी भारत और कांग्रेस पार्टी की पॉज़िशन के बिल्कुल उलट हैं। उन्होंने पंजाब कांग्रेस के प्रधान को अपने सलाहकारों द्वारा भारत के हितों को और नुकसान पहुँचाने से पहले उन पर लगाम लगाने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि कश्मीर भारत का अटूट अंग था और अब भी है। उन्होंने कहा कि इसके उलट माली ने पाकिस्तान की हाँ में हाँ मिलाने वाला बयान दिया है, जोकि पूरी तरह देश विरोधी है। उन्होंने माली की निंदा करते हुए कहा कि ना सिर्फ़ अन्य पार्टियाँ बल्कि कांग्रेस द्वारा भी व्यापक रूप में निंदा किए जाने के बावजूद माली ने अपना बयान वापस नहीं लिया।

गर्ग द्वारा उनकी (कैप्टन अमरिन्दर सिंह) पाकिस्तान की आलोचना वाली टिप्पणी को पंजाब के हित में ना बताए जाने वाले बयान पर व्यंग्य करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धू के सलाहकार ज़मीनी हकीकत से बहुत दूर हैं। उन्होंने कहा कि यह सत्य ना सिर्फ़ हर पंजाबी बल्कि हर भारतीय जानता है कि पाकिस्तान हमारे लिए हमेशा ख़तरा रहा है। हर रोज़ वह हमारे राज्य और देश में उथल–पुथल या अस्थिरता फैलाने के लिए ड्रोन के द्वारा हथियार और नशे भेजने जैसी भद्दी कोशिशें करता रहता है।

मुख्यमंत्री ने गर्ग की टिप्पणी को तर्कहीन और ना–वाजिब करार देते हुए कहा कि पंजाबी सैनिक सरहदों पर पाकिस्तान की समर्थन वाली ताकतों के हाथों जान गंवा रहे हैं।

कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने गर्ग जो राजनीति से प्रेरित भडक़ाऊ और गैर–ज़िम्मेदाराना बयान खुलेआम दे रहे हैं, को पंजाबियों के बलिदान को हलके में न लेने की अपील करते हुए कहा, ''गर्ग शायद भूल गए हैं कि 80 और 90 के दशक में पाकिस्तान की सहायता प्राप्त आतंकवादियों के हाथों हज़ारों पंजाबियों को अपनी जान गंवानी पड़ीं, परन्तु ना मैं भूला और ना ही पंजाब के लोग भूले हैं। पाकिस्तान के ख़तरनाक मंसूबों को नाकाम करने के लिए हम अपनी लड़ाई जारी रखते हुए हर प्रयास ईस्तेमाल करेंगे।''

क्लर्कों, स्टैनोटाईपिस्टों और अन्य पदों की भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी: रमन बहल

चण्डीगढ़, हिमालयन अपडेट

अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड, पंजाब द्वारा विभिन्न विभागों से प्राप्त माँग के अनुसार क्लर्कों, स्टैनो टाईपिस्टों, जूनियर प्रशिक्षकों और डेयरी डिवैल्पमैंट अफसरों के पदों की भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू की जा रही है। उक्त जानकारी पंजाब राज्य अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड के चेयरमैन रमन बहल द्वारा किया गया।

बहल ने बताया कि बोर्ड द्वारा प्रकाशित पदों की लिखित परीक्षाएं समाप्त होने के बाद अधिक से अधिक 2 महीनों में क्लर्कों, स्टैनोटाईपिस्टें, जूनियर प्रशिक्षकों और डेयरी डिवैल्पमैंट अफसरों के पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि बोर्ड द्वारा विभिन्न पदों की भर्ती सम्बन्धी 15 विज्ञापन जारी किए जा चुके हैं, जिनमें से कई पदों की लिखित परीक्षा हो चुकी है और बाकी बचे पदों जैसे कि जेल वार्डर और जेल मेट्रन की लिखित परीक्षा तारीख़ 27–08–21 से 29–08–21 तक और पटवारियों की दूसरे चरण की लिखित परीक्षा तारीख़ 05–09–21 को ली जा रही है।

बहल ने कहा एक्साईज इंस्पेक्टर, चयन कानूगो और आंगनवाड़ी सुपरवाइजर की लिखित परीक्षाएं भी ली जानी बाकी हैं। इन सभी पदों की लिखित परीक्षाएं दो महीने के अंदर–अंदर पूरी कर ली जाएंगी। जिन पदों की लिखित परीक्षा ख़त्म हो चुकी है, उनमें योग्य पाए गए उम्मीदवारों की काऊंसलिंग की जा रही है। काऊंसलिंग के उपरांत मैरिट के अनुसार उम्मीदवारों की सिफारिशें सम्बन्धित विभागों को भेज दी जाएंगी।

बहल ने आखिर में बताया की बोर्ड द्वारा की जा रही समूची भर्ती सम्बन्धी सारी जानकारी बोर्ड की वैबसाईट www.sssb.punjab.gov.in पर उपलब्ध करवाई दी जाएगी, इसलिए सम्बन्धित उम्मीदवार बोर्ड की वैबसाईट को समय–समय पर चैक करते रहें।

स्नातक कक्षाओं के प्रथम वर्ष के लिए ऑनलाइन एडमिशन हेतु रजिस्ट्रेशन बारे अंतिम तिथि 2 सितंबर 2021 तक बढ़ाने का निर्णय

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा सरकार ने विद्यार्थियों के हित में निर्णय लेते हुए स्नातक कक्षाओं के प्रथम वर्ष के लिए ऑनलाइन एडमिशन हेतु रजिस्ट्रेशन बारे अंतिम तिथि 2 सितंबर 2021 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कुछ कालेजों के प्राचार्यों व विद्यार्थियों ने स्नातक कक्षाओं के प्रथम वर्ष में एडमिशन हेतु अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की थी। इस मामले में उच्चतर शिक्षा विभाग ने स्वीकृति दे दी है। उन्होंने बताया कि नए शैड्यूल के अनुसार अब विद्यार्थी ऑनलाइन एडमिशन पोर्टल पर 2 सितंबर 2021 तक अपना आवेदन तथा रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि 4 सितंबर तक ऑनलाइन डॉक्यूमैंटस वेरिफिकेशन करके 8 सितंबर 2021 को पहली मैरिट लिस्ट जारी की जाएगी। एडमिशन पाने वाले विद्यार्थियों को 9 सितंबर से 13 सितंबर तक फीस जमा करवानी होगी। इसके बाद, 15 सितंबर को दूसरी मैरिट लिस्ट जारी की जाएगी जिसके लिए 16 सितंबर से 18 सितंबर तक फीस जमा करवाई जा सकती है। अगर फिर भी कुछ सीटें खाली रह जाती हैं तो ओपन काऊंसलिंग के लिए 21 सितंबर 2021 को पुनः ऑनलाइन एडमिशन पोर्टल खोला जाएगा।

हरियाणा सराकार द्वारा पहली सितंबर से प्रदेश के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को खोलने का फैसला

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा सरकार ने पहली सितंबर से प्रदेश के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले चौथी व पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए भी स्कूलों को खोलने का फैसला किया है।

शिक्षा मंत्री श्री कंवरपाल ने बताया कि इन विद्यार्थियों के लिए विभाग द्वारा जारी एसओपी की अनुपालना करते हुए कक्षाएं लगाई जाएंगी।

उन्होंने बताया कि इन कक्षाओं के विद्यार्थियों को गृह मंत्रालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार अपने माता–पिता की पूर्व–अनुमति के साथ स्कूल आने की अनुमति होगी।

हरियाणा में तेजी से वैक्सीनेशन का कार्य जारी- स्वास्थ्य मंत्री

प्रदेश में अब तक एक करोड़ 51 लाख 54,158 पात्र व्यक्तियों का वैक्सीनेशन

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में तेजी से वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसी कड़ी में प्रदेश में अब तक कुल एक करोड़ 51 लाख 54,158 पात्र व्यक्तियों का कोविड–19 का वैक्सीनेशन हो चुका है।

उन्होंने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि अब तक एक करोड़ 14 लाख 68,739 पात्र व्यक्तियों को पहली डोज और 36 लाख 85 हजार 419 लोगों को दूसरी डोज लग चुकी है।

विज ने बताया कि चार लाख 67 हजार 767 स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को कोरोना वायरस की वैक्सीन लग चुकी है जिनमें 2,51,029 स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को पहली डोज और 2,16,738 स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को दूसरे डोज लग चुकी है। इसी प्रकार, फ्रंट लाइन वर्करों में अब तक 4,51,586 को करोना की वैक्सीन लग चुकी है जिनमें 2,50,935 को प्रथम डोज और 2,00,651 को दूसरी डोज लग चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के लोगों को अब तक 32,86,446 लोगों को वैक्सीनेट किया जा चुका है जिनमें 21,25,084 लोगों को प्रथम डोज और 11,61,362 लोगों को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि 45 वर्ष से लेकर 60 वर्ष तक की आयु के पात्र व्यक्तियों में 38 लाख 58 हजार 741 लोगों को वैक्सीनेट किया जा चुका है जिनमें 26,48,843 लोगों को प्रथम डोज और 12,09,898 लोगों को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है।

विज ने बताया कि 18 से 44 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों को अब तक सबसे ज्यादा कवर किया गया है जिनमें 70,89,618 लोग शामिल है, जिन्हें वैक्सीनेट किया जा चुका है। इनमें 61,92,848 लोगों को प्रथम डोज और 8,96,770 लोगों को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। इसी प्रकार, स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश के जिलों का ब्यौरा देते हुए बताया कि अब तक सबसे अधिक वैक्सीनेशन गुरुग्राम में हुआ है जहां 22,48,592 लोगों को वैक्सीनेट किया जा चुका है। इसी प्रकार, फरीदाबाद में 14,59,021 लोगों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

विज ने बताया कि अंबाला में 979661 लोगों को, भिवानी में 593847 लोगों को, चरखी दादरी में 421021 लोगों को, फतेहाबाद में 464872 लोगों को, हिसार में 727569 लोगों को, झज्जर में 560149 लोगों को, जींद में 468242 लोगों को, कैथल में 474895 लोगों को, करनाल में 827136 लोगों को, कुरुक्षेत्र में 508870 लोगों को, महेंद्रगढ़ में 512148 लोगों को, नूह में 202084 लोगों को, पलवल में 462490 लोगों को, पंचकूला में 504715 लोगों को, पानीपत में 538073 लोगों को, रेवाड़ी में 524146 लोगों को, रोहतक में 550023 लोगों को, सिरसा में 635970 लोगों को, सोनीपत में 853765 लोगों को और यमुनानगर में 636869 लोगों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

गन्ने का भाव 360 रुपए प्रति क्विंटल करने के साथ ही पंजाब गन्ना किसानों द्वारा तत्काल संघर्ष ख़त्म करने का फैसला

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह द्वारा साल 2021–22 के लिए गन्नो की पिढ़ाई सीजन के लिए राज्य में गन्ने का भाव 360 रुपए प्रति क्विंटल जो पड़ोसी राज्य हरियाणा की अपेक्षा 2 रुपए अधिक है, करने के ऐलान के समर्थन के तौर पर पंजाब के गन्ना किसानों ने मंगलवार को अपना संघर्ष ख़त्म करने का फ़ैसला किया।

यह मामला मुख्यमंत्री की किसान यूनियन नेताओं के साथ मीटिंग में हल हुआ जहाँ कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने राज्य में ऐलाने जाते गन्ने के भाव (एस.ए.पी.) में वृद्धि की सहमति देते हुये कहा कि पिछले तीन–चार सालों में राज्य की वित्तीय स्थिति के कारण सरकार को गन्ने का उपयुक्त भाव बढ़ाने के लिए रोके रखा। किसान यूनियन नेताओं ने पहले कहा कि पंजाब इस समय के दौरान हरियाणा की तर्ज़ पर गन्ने का भाव बढ़ाने में नाकाम रहा है जिससे किसानों को वित्तीय नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समस्या के लिए किसानों पर दोष नहीं दिया जा सकता जो कि पंजाब के बुरे वित्तीय हालातों के कारण पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा किसानों के साथ हैं और उनकी भलाई के लिए हमेशा अपना सर्वोत्तम करना चाहते हैं, राज्य के वित्तीय संकट के कारण वह पहले गन्ने का भाव बढ़ा नहीं सके। उन्होंने कहा कि मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों के मद्देनज़र सहकारी और प्राईवेट चीनी मिलों से जुड़े किसानों की ज़रूरतों का संतुलन बनाना बहुत कठिन है।

राणा गुरजीत सिंह जो कांग्रेस के विधायक के अलावा स्वयं चीनी मिल के मालिक भी हैं, ने गन्ने का भाव बढ़ाने के लिए किसानों की माँग की हिमायत की।

संयुक्त किसान मोर्चा जो बीते कई दिनों से गन्ना किसानों का आंदोलन चला रहा है, का प्रतिनिधित्व कर रहे किसान यूनियनों के नेताओं ने मुख्यमंत्री की तरफ से उनकी समस्या सुलझाने और गन्ने के भाव में वृद्धि का ऐलान करने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने दिल्ली की सरहदों में खेती कानूनों के विरुद्ध चल रहे संघर्ष में अपनी जानें गंवाने वाले पंजाब के किसानों के एक–एक पारिवारिक मैंबर को नौकरी और 5 लाख रुपए का मुआवज़े देने के कदम की भी सराहना की।

मुख्यमंत्री की तरफ से माँग को स्वीकृत करने से खुशी ज़ाहिर करते हुए बलबीर सिंह राजेवाल समेत संयुक्त मोर्चो के प्रतिनिधियों ने उनका मुँह मीठा करवाया।

मीटिंग में संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों में से राजेवाल के अलावा कुलवंत सिंह संधू, हरमीत कादियाँ, जंगवीर सिंह चौहान, हरिन्दर सिंह लक्खोवाल, मुकेश चंद्र, कुलदीप सिंह वजीदपुर, बलदेव सिंह सिरसा, बलदेव सिंह दप्पर और बलविन्दर सिंह औलख उपस्थित थे।

मीटिंग में मुख्यमंत्री के साथ सहकारिता मंत्री सुखजिन्दर सिंह रंधावा, स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू, संसद मैंबर परनीत कौर और प्रताप सिंह बाजवा, विधायक राणा गुरजीत सिंह, डा. राज कुमार वेरका, फतेहजंग सिंह बाजवा, नवजेत सिंह चीमा और सुशील कुमार रिंकू, पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन लाल सिंह, शूगरफैड के चेयरमैन अमरीक सिंह आलीवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास अनिरुद्ध तिवारी, वित्त कमिशनर सहकारिता के सिवा प्रसाद, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव तेजवीर सिंह, कृषि कमिशनर बलविन्दर सिंह सिद्धू और केन कमिशनर गुरविन्दर सिंह भी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

काबुल में आंतकी धमाके

बड़ा सवाल यह है कि महीने के आखिर तक वापसी की यह प्रक्रिया संपन्न हो जाने के बाद अफगानिस्तान का क्या होगा और जो भी होगा, उसका आसपास के देशों पर कैसा प्रभाव पड़ेगा। अब तक मुख्य चिंता यही सामने आ रही थी कि तालिबान का शासन आधुनिक मूल्यों में यकीन रखने वाले अफगानों, वहां की महिलाओं और अल्पसंख्यकों के साथ कैसा सलूक करेगा।

काबुल एयरपोर्ट पर गुरुवार को हुए आत्मघाती हमले ने अफगानिस्तान में उस भीषण दौर की शुरुआत का संकेत दे दिया है जिसकी आशंका थी। कैसी त्रासदी है कि तालिबान शासन में होने वाली दुर्गति से बचने के लिए किसी भी कीमत पर वहां से निकलने को बेकरार लोग एक तरफ विमान के पहियों के नीचे आने या आसमान से गिरने जैसे अंजाम को पहुंच को तैयार हो रहे हैं तो दूसरी तरफ आतंकी हमले का शिकार हो रहे हैं। लेकिन गुरुवार की घटना में मारे जाने वालों में सिर्फ अफगानिस्तान के लोग नहीं हैं। वहां फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में मदद कर रहे 13 अमेरिकी सैनिकों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी है। निश्चित रूप से अमेरिका में इसकी तीखी प्रतिक्रिया होगी। लेकिन अमेरिकी सरकार के सामने फिलहाल ज्यादा विकल्प नहीं हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान से भी इसका संकेत मिलता है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका इसे न तो भूलेगा और न ही माफ करेगा। इसके लिए जिम्मेदार लोग जहां कहीं भी होंगे उन्हें हर हाल में ढूंढकर उनके किए की सजा दी जाएगी।

साफ है कि यह एक लंबा काम है। फिलहाल उनका भी ध्यान जान माल का और कोई नुकसान झेले बगैर वहां से वापसी की प्रक्रिया को पूरा करने पर लगा है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि महीने के आखिर तक वापसी की यह प्रक्रिया संपन्न हो जाने के बाद अफगानिस्तान का क्या होगा और जो भी होगा, उसका आसपास के देशों पर कैसा प्रभाव पड़ेगा। अब तक मुख्य चिंता यही सामने आ रही थी कि तालिबान का शासन आधुनिक मूल्यों में यकीन रखने वाले अफगानों, वहां की महिलाओं और अल्पसंख्यकों के साथ कैसा सलूक करेगा। पंजशीर से भले तालिबान की ओर चुनौती उछाली जा रही हो, मगर दोनों पक्षों में सीधे टकराव के हालात नहीं बने थे। दोनों के अपने अलग इलाके थे। मगर आईएसआईएस– के की ओर से किया गया ताजा आतंकी हमला बताता है कि वह तालिबान के लिए लंबा सिरदर्द साबित होने जा रहा है। अफगानिस्तान के ग्रामीण क्षेत्रों में अपना दबदबा कायम करने की लड़ाई में दोनों पहले से ही टकराते रहे हैं। आईएसआईएस का कहना है कि तालिबान अमेरिकियों की मिलीभगत से अफगानिस्तान में काबिज हुए हैं।

जाहिर है, उसकी ओर से तालिबानी शासन को ऐसी चुनौतियां मिलती रहने वाली हैं। यह चुनौती कितनी कमजोर या मजबूत होगी और आखिरकार इस रस्साकशी में दोनों में से कौन भारी पड़ेगा, इससे बाहरी दुनिया को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला। दोनों की यह लड़ाई बेकसूरों की जान लेते हुए आगे बढ़ेगी और वहां के समाज को ज्यादा से ज्यादा कट्टर बनाती चलेगी। यही नहीं, अपना ज्यादा प्रभाव साबित करने के चक्कर में ये अफगान सीमा के बाहर भी आतंकी वारदात को अंजाम देने की कोशिश करने से नहीं चूकेंगे। कुल मिलाकर भविष्य के लिए संकेत अच्छे नहीं हैं।

पौराणिक कथा

एक बार सात्यकि, बलराम एवं श्रीकृष्ण यात्रा कर रहे थे । यात्रा करते–करते रात हुई तो उन्होंने जंगल में पड़ाव डाला और ऐसा तय किया कि दो लोग सोयें तथा एक जागकर पहरा दे क्योंकि जंगल में हिंसक प्राणियों का भय था ।

पहले सात्यकि पहरा देने लगे और श्रीकृष्ण तथा बलराम सो गये । इतने में एक राक्षस आया और उसने सात्यकि को ललकारा : ''क्या खड़ा है ? कुछ दम है तो आ जा । मुझसे कुश्ती लड़ ।'' सात्यकि उसके साथ भिड़ गया । दोनों बहुत देर तक लड़ते रहे । सात्यकि की तो हड्डी–पसली एक हो गयी । सात्यकि का पहरा देने का समय पूरा हो गया तो वह राक्षस भी अदृश्य हो गया ।

फिर बलरामजी की बारी आयी । जब बलरामजी पहरा देने लगे तो थोड़ी देर में वह राक्षस पुनः आ धमका और बोला : ''क्या चौकी करते हो ? दम है तो आ जाओ।'' बलरामजी एवं राक्षस में भी कुश्ती चल पड़ी । ऐसी कुश्ती चली कि बलरामजी की रग–रग दुखने लगी । श्रीकृष्ण का पहरा देने का समय आया तो वह राक्षस दृश्य हो गया । बलरामजी श्रीकृष्ण को कैसे बताते कि मैं कुश्ती हारकर बैठा हूँ ?

श्रीकृष्ण पहरा देने लगे तो वह राक्षस पुनः आ खड़ा हुआ और बोला : ''क्या चौकी करते हो ?'' यह सुनकर श्रीकृष्ण खिल–खिलाकर हँस पड़े। वह राक्षस पुनः श्रीकृष्ण को उकसाने की कोशिश करने लगा तो श्रीकृष्ण पुनः हँस पड़े और बोले : ''मित्र ! तु तो बड़ी प्यारभरी बातें करते हो !''

राक्षस : ''कैसी प्यारभरी बातें ? तु डरपोक हो ।'' श्रीकृष्ण : ''यह तो तु भीतर से नहीं बोलते, ऊपर–ऊपर से बोल रहे हो, यह हम जानते हैं ।''

जब राक्षस ने सात्यकि एवं बलरामजी को ललकारा था तो दोनों क्रोधित हो उठे थे और राक्षस भी बड़ा हो गया था, अतः उससे भिड़ते–भिड़ते दोनों थककर चूर हो गये लेकिन जब उसने श्रीकृष्ण को ललकारा तो वे हँस पड़े और हँसते–हँसते जवाब देने लगे तो राक्षस छोटा होने लगा । राक्षस ज्यों–ज्यों श्रीकृष्ण को

उकसानेवाली बात करता, त्यों–त्यों श्रीकृष्ण सुनी–अनसुनी करके, उस पर प्यार की निगाह डालकर हँस देते । ऐसा करते–करते वह जब एकदम नन्हा हो गया तो श्रीकृष्ण ने उसे अपने पीताम्बर में बाँध लिया ।

सुबह उठकर जब तीनों आगे की यात्रा के लिए चले तो सात्यकि ने श्रीकृष्ण के पीताम्बर में कुछ बँधा हुआ देखकर पूछा : ''यह क्या है ?''

श्रीकृष्ण : ''जिसने तुम्हारा ऐसा बुरा हाल कर दिया वही राक्षस है यह ।''

ऐसा कहकर श्रीकृष्ण ने पीताम्बर की गाँठ खोली तो वह नन्हा–सा राक्षस निकला । सात्यकि : ''रात को जो दैत्य आया था वह तो बड़ा विशालकाय था ! इतना छोटा कैसे हो गया ?''

श्रीकृष्ण : ''यह क्रोध रूपी राक्षस है । यदि तुम क्रोध करते जाते हो तो यह बढ़ता जाता है और तुम प्रसन्नता बढ़ाते जाते हो तो यह छोटा होता जाता है । मैं इसकी बात बार–बार सुनी–अनसुनी करता गया तो यह इतना नन्हा हो गया । तुमको सीख देने के लिए ही मैंने इसे पीताम्बर के छोर में बाँध दिया था ।''

...तो क्षमा, प्रसन्नता एवं विचार से व कामना और अहंकार के त्याग से क्रोध नन्हा हो जाता है ।

–रमा बहेड, हैदराबाद

पुष्पार्चन

अंजलि भर पुष्पार्चन करता
नियति रागिनी उर्वर नेक,
नेह–प्रमापी साधन खोके
गिरि बिछलन पे मिले न टेक।
पुण्य ऊष्मा विस्मृत करना
जल बिन सूखा उजड़ा झरना,
ठकुराई निधि चाह सुनेहिल
सुधानुरागी सरगम सधना,
अब सब सम्भव कैसे होगा
क्षुब्ध अर्चना का अभिषेक।
हाय विधाता! निष्ठुर इतना
कैसे हुआ किसी का भाग?
ऋतु बसन्त की फुलवारी में
समय सलाई फूँके आग,
कली कोपलें और तितलियाँ
झुलस गयी ले रूप अनेक।।

–डॉव मनीराम वर्मा
गुवाँव (पालीपट्टी) टाण्डा,
अम्बेडकरनगर, (उ.प्र.)

जीवन बनाएं : सीखें सिखाएं

ये हमारा सौभाग्य और ईश्वर की अनुकंपा ही है कि हमें मानव जीवन मिला, तो ऐसे में हम सभी की ये जिम्मेदारी है कि हम इस चार दिन के लिए नश्वर शरीर का घमंड न करें बल्कि इस जीवन की सार्थकता सिद्ध करने का प्रयास करें, इसके लिए हमें अधिक कुछ नहीं करना है,बल्कि सिर्फ़ अपना ही नहीं औरों के भी जीवन को बनाने का प्रयास करना चाहिए है।

अब तक के विभिन्न आयामों से गुजरते हुए जो कुछ भी हमनें सीखा, अनुभव किया, उसे अपने छोटों, कम जानकार और कम अनुभवी लोगों में बाँटना है, उन्हें सिखाना है, दिशा देना है। साथ ही हमें अपने से अनुभवी, ज्ञानी और वरिष्ठों से ग्रहण भी करना है। इस सतत प्रक्रिया को विकसित करना भी है।

लेना और देना यह स्वाभाविक किंतु अनिवार्य प्रक्रिया है,सही मायनों में इसके बिना भला जीवन कहाँ चल सकता है।अतः न ही सिर्फ देना सीखिए बल्कि संकोच और अहम छोड़कर लेना भी सीखिए। जीवन को बनाना है तो सीखने सिखाने की मनोवृत्ति का विकास नये आयाम तक ले जाने का प्रयास कीजिये और जीवन की सार्थकता सिद्ध करने की लगातार कोशिश कीजिए।

जो भी आपके पास है उस पर कुँडली मार का मत बैठिये, उसे लोगों में बाँटिए साथ ही जो आपके पास नहीं है,उसे लेने,ग्रहण करने और सीखने के भावों का विकास कीजिये।ऐसा कीजिये फिर महसूस कीजिये कि आपकी जिंदगी बन जायेगी, सँवर जायेगी, खुशियों से भर जायेगी, जीवन में उमंग, उत्साह की गंगा स्वतः प्रवाहित होने लगेगी।

–सुधीर श्रीवास्तव
गोण्डा(उ.प्र.)

भादौं छठ या ललही छठ पूजा का महत्व

भाद्रपद मास की छठी तिथि को हर वर्ष भादौ छठ या ललही छठ का त्यौहार मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसे हलषष्ठी,हरछठ या ललही छठ आदि के नाम से भी जाना जाता है। महिलाएं पुत्र प्राप्ति एवं उनकी सलामती के लिए इस कठिन व्रत का पालन कर छठ मैया का पूजन करती हैं। उनका मानना है इस व्रत को रखने से पुत्र सदा स्वस्थ एवं दीर्घायु रहते हैं। ललही छठ को हर साल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पहले मनाया जाता है।

एक अन्य मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई बलराम का जन्म हुआ था, इसलिए इसे बलराम जयंती के रूप में भी मनाते हैं। इस बार ललही छठ का पर्व 28 अगस्त शनिवार को मनाया जाएगा।

कैसे करें पूजा??

इस व्रत में महुआ के दातून से दांत साफ किया जाता है। दिन में अथवा शाम के समय इस पूजा के लिए आँगन में एक छोटा सा सगरा (तालाब) व हरछठ मिट्टी की वेदी बनाई जाती है। हरछठ में झरबेरी, कुश और पलाश(ढाक) की डालियां एक साथ बांधी जाती हैं और उनको इस मिट्टी की वेदी में गाड़ दिया जाता है। इसके बाद वहां पर चौक बनाया जाता है। तत्पश्चात हरछठ को वहीं पर लगा देते हैं। सबसे पहले कच्चे जनेऊ का सूत हरछठ को पहनाते हैं फिर फल आदि का प्रसाद चढ़ाने के बाद कथा सुनी जाती है।

हलषष्ठी पूजा की प्रचलित कथा–१

मथुरा के राजा कंस को जब पता चला कि उनके बहन–बहनोई वासुदेव और देवकी की संतान ही उसकी मृत्यु का कारण बनेगी तो उसने उन्हें कारागार में डाल दिया। जेल में एक एक करके जन्मी वासुदेव और देवकी की सभी 6 संतानों का कंस ने कारागार में ही वध कर डाला। देवकी को जब सातवां पुत्र होना था तब उसकी रक्षा के लिए नारद मुनि ने उन्हें हलपष्ठी माता का व्रत करने की सलाह दी। जिससे उनका पुत्र कंस के कोप से बच सके और सुरक्षित हो जाए। देवकी ने हलषष्ठी व्रत किया जिसके प्रभाव से भगवान ने योगमाना से कहकर देवकी के गर्भ में पल रहे बच्चे को वासुदेव की बड़ी रानी के गर्भ में स्थानांतरित कर दिया। जिससे कंस को धोखा हो गया और उसने समझा कि देवकी का सातवां पुत्र जिंदा नहीं है उधर रोहिणी के गर्भ से भगवान बलराम का जन्म हुआ। इसके बाद देवकी के गर्भ से आठवें पुत्र के रूप में श्री कृष्ण का जन्म हुआ। इस तरह से देवकी के हल छठी व्रत करने से उनके दोनों पुत्रों की रक्षा हुई।

हलषष्ठी की प्रचलित कथा–२

व्रत करने वाली महिलाओं के अनुसार प्राचीन काल में एक पोलिंग थी। वह नगर में घूम–घूम कर दूध दही बेचती थी,प्रभु कृपा से वह मां बनने वाली थी और उसका प्रसव काल भी पास आ रहा था। एक ओर तो वह पैसों के लिए व्याकुल थी वहीं दूसरी ओर उसे अपने दूध दही बेचने की भी चिंता थी। उसने सोचा कि यदि प्रसव हो गया तो दूध दही यूं ही पड़ा रह जाएगा। यह सोचकर वह दूध–दही बेचने के लिए निकल पड़ी किन्तु कुछ ही दूर पहुंचने पर उसे अगहनी प्रसव पीड़ा होनी शुरू हो गई। वह एक झाड़ की आड़ में गई और वहां पर उसने एक बच्चे को जन्म दिया। बच्चा स्वस्थ था। उसके बाद वह नवजात को वहीं छोड़कर पास के गांव में दूध–दही बेचने चली गई। संयोग से उस दिन हरछठ थी, गाय भैंस के मिश्रित दूध को केवल भैंस का दूध बता कर उसने सीधे साधे गांव वालों को बेंच दिया। उधर झाड़ की आड़ के नीचे उसने बच्चे को छोड़ा था, उसके पास ही वहां एक किसान खेत में हल जोत रहा था।बैल के बिगड़ने से किसान का हल नवजात बालक को लग गया और उसकी मौत हो गई। कुछ देर बाद ग्वालिन वापस आई तो बच्चे की ऐसी दशा देखकर उसको समझते देर नहीं लगी,कि यह तब उसके पाप के किए की ही सजा है। आज हलषष्ठी है। उसने गांव की महिलाओं का धर्म भ्रष्ट किया है। झूठ बोलकर गाय के दूध को भैंस का दूध बताकर बेचनें से उसको ये सजा मिली है।

दरअसल हलखष्ठी के व्रत में गाय का दूध एवं उस से बनी चीजें नहीं खाई जाती हैं। अतः मुझे वापस लौटकर यह सब बातें गांव की महिलाओं को बताकर इसका प्रायश्चित करना चाहिए। ग्वालिन पुनः उसी गांव में गई और गली–गली घूम–घूम कर रो–रो कर अपनी गलती के लिए माफी मांगने लगी। तब महिलाओं ने उस पर रहम खा कर उसे क्षमा कर दिया और आशीर्वाद दिया। इसके बाद सभी स्त्रियां उसके साथ उसके पुत्र को देखने के लिए खेत में पहुंची तो हैरान रह गई वहां उसका पुत्र जीवित अवस्था में मिला तभी से उसने स्वार्थ के लिए झूठ बोलने को ब्रह्म हत्या के समान ही समझा और झूठ न बोलने का संकल्प लिया।

इस व्रत में क्या खाएं क्या न खाएं ? ये भी जानें

इस दिन भगवान बलराम जी का जन्म उत्सव भी मनाया जाता है,इसलिए खेत में उगे हुए या जोत कर उगाए गए किसी भी अनाज,फल और सब्जियों को इस व्रत में नहीं खाया जाता है। क्योंकि "हल" बलराम जी का अस्त्र है। इसके साथ ही गाय का दूध दही या उससे बनी अन्य किसी भी वस्तु को खाने की इस व्रत में मनाही होती है।

ललही छठ व्रत व पूजा करने वाली महिलाएं इस दिन तालाब में उगे पसही/तिन्नी का चावल/पचहर के चावल खा कर अपना व्रत रखती हैं। इस दिन महिलाएं भैंस का दूध दही व घी का प्रयोग करती हैं। फल,मेवा इत्यादि का भी प्रयोग कर सकती हैं।

–डॉ. विनय कुमार श्रीवास्तव
वरिष्ठ प्रवक्ता–पी बी कालेज,प्रतापगढ़ सिटी,उ.प्र.
(शिक्षक,कवि,लेखक,समीक्षक एवं समाजसेवी)

सांवरे की खोज

सांवरे की खोज में मीरा हुई दीवानी,
गली गली भटके है महलों की थी रानी।
मां ने ही तो बचपन में प्रेम था सिखाया,
रुक्मिणी ने बन पाई बन न पाई राधा।

वो तो बन गई देखो एक अमर कहानी,
सांवरे की खोज में मीरा हुई दीवानी।

ब्याह करके वो तो ससुराल आई,
बहू की सारी रस्में थी निभाई
पति को पति वो समझ नहीं पाई
मन में थी कृष्ण की मुरत समाई

सबने ही उसे समझा बिल्कुल बेगानी,
सांवरे की खोज में मीरा हुई दीवानी।

सब कुछ छोड़ उसने कृष्ण को अपनाया,
दूध में मिलाकर विष उसे पिलाया।
मंदिरों में उसने अपना डेरा जमाया,
जोगन बन दिन–रात, कृष्ण– कृष्ण गाया।

गली गली घूमे है देखो राधा –रानी,
सांवरे की खोज में मीरा हुई दीवानी।

–आभा चौहान, गुजरात

मुरली

कान्हा मुझको अपने अंतर्मन बसा लो
हिरण्यगर्भा हरि जगन्नाथ अपने में समा लो।

पटपीत वस्त्र बन अंगों से लिपटी रहूं मैं गिरिधारी
मोरपंख बन शीश चढ़ूँ इतराऊँ मैं बनवारी।

मुरली बन अधरों पर टिक जाऊँ मैं
मछली बन प्रभु हरि के पैर पखारुँ मैं।

प्रीत की वर्षा ऐसी कर तन मन भींगता जाएँ मुरारी
अर्पण करूँ मैं भी जीवन विष प्याला पीकर बिहारी

बलिहारी सुध–बुध खोयी मैं सुन मुरली की तान
आ जा कान्हा अब वियोग में निकलते मेरे प्राण

इहलोक नहीं परलोक में मुझे ही मुरली बनाना
अधरों के बीच बैठ सुनूँगी प्रेम का ताना–बाना।

–बिंदु प्रसाद रिद्धिमा
राँची झारखंड

धरा ओ धरा

हे कृष्ण, नटखट कन्हैया
अब बहुत हो चुका
माखन चुराना, गैय्या चराना,
बाल सुलभ चंचलता दिखाना
गोपियों संग अठखेलियाँ करना।
अब एक बार फिर से
अपना रुप दिखाओ,
फिर से अपने स्वरूप में
धरती पर आ जाओ।
लुका छिपी का खेल अब बंद करो
अब आओ! धरती के मानव रुपी
रावणों, राक्षसों का विनाश करो।
अब इनके अत्याचारों से
चहुंओर त्राहिमाम मचा है,
मुक्ति के लिए प्रभु जी
अब केवल तुम्हारा ही सहारा है।
इस जन्मोत्सव पर प्रभु
बस इतनी कृपा कर दो
अनीति, अन्याय, अनाचार,
अत्याचार, भ्रष्टाचार पर फिर
एक बार सुदर्शन चक्र का
भीषणतम प्रहार कर दो,
अपने भक्तों का बेड़ा पार कर दो।
जैसे गीताज्ञान दिया था
पार्थ को कुरुक्षेत्र मे,
आज समूची धरा ही जब
बन गई कुरुक्षेत्र है तब
प्रभु अब तो तुम्हें आना ही होगा,
धरा को मानवी राक्षसों,रावणों से
मुक्ति का मार्ग दिखाना ही होगा।
हे मुरलीधर, हे कृष्णमुरारी चक्रधारी
अब देर न करो, इतनी सी कृपा करो
पीड़ितों, दुखियों को न नजरअंदाज करो
एक बार फिर से धरा पर आ जाओ
जन जन का उद्धार करो,
हर जन मन में नया उत्साह भरो
सबका बेड़ा पार करो,
हे विष्णु अवतारी धरा पर आ जाओ।

–सुधीर श्रीवास्तव
गोण्डा, उ.प्र

खो गयी

शहरो में खो गयीं ,
गाँव की पगडंडियाँ ।
भोर में गूँजे नही ,
पूजाघरों में घण्टियाँ ।
प्रार्थना के स्वर नहीं ,
सैबरनेट की ये दुनियाँ ।
गाँव से कब मिट गई ,
गाँव की सब रीतियाँ ।
शिवाले चौपालें नहीं ,
गुम हुए काकू मुखिया ।
काकी ताई परिजन नहीं ,
खो गई रिश्तों की सुधियाँ ।
चंद सिक्कों से बनी ,
इंसानों में ये दूरियाँ ।
कब कहाँ पुरवा चली ,
कब रंभाई प्यारी गइयाँ ।
अर्ध्य रवि पाये नहीं ,
वर्द्धों की बेबस छइयां ।
गगनचुम्बी भवनों छुपी ,
सूर्य की सब रश्मियां ,
फार्महाउसों में सजीं ,
खेत खलिहानों की खूबियाँ ।
ट्रैक्टरों में खो गईं ,
दो बैलों की जोड़ियाँ ।
शहरो में खो गईं ,
गाँव की पगडंडियाँ ।

–डॉ अर्चना प्रकाश,
लखनऊ

मेरे साँवरिया

साँवरिया मैं तो तेरे रंग में रंगना चाहूँ,
कोई और कामना नहीं, बस तेरे दर्शन करना चाहूँ।।
साँवरिया...
गली–गली में फिरती हूँ मोहन, बस तेरा ही गुणगान गाऊँ।
ऐसा मैं क्या करूँ साँवरे कि, तुझमें मैं मिल जाऊँ।।
साँवरिया...
तेरी शरण में आकर साँवरे, मधुर मुरली की तान मैं सुनना चाहूँ।
तेरी दीवानी हूँ मैं तो, तेरे प्यार में जोगिन बनना चाहूँ।।
साँवरिया...
मेरा हृदय व्यथित है साँवरे, कैसे तुझे रिझाऊँ।
तेरे दर्शन को अँखियाँ तरसे, क्या कह खुद को समझाऊँ।।
साँवरिया...

–डॉ. मधु मिश्रा
हिमालयन अपडेट अध्यक्षा गुजरात

क्या पाया

द्वेष भरा हो मन में ,
फ़िर प्यार जता कर क्या पाया
समझे थे हम कुछ और ,
पर विध्वंश मचा कर क्या पाया
कथनी –करनी में भेद बहुत ,
पर अरमान सज़ा कर क्या पाया
बनी हुई थीं छाप तुम्हारी,
दीवार गिरा कर क्या पाया
लिखते हम तो शिला– लेख ,
पर अख़बार बना कर क्या पाया
समता की होती सीरत,
समभाव, समन्वय की होती सूरत
प्यार भरा होता परिसर
सुःखद नींद के पांव तले,
द्वेष भरा हो मन में,
फ़िर प्यार जता कर क्या पाया
जन –जन के अरमानों को
कुचल– कुचल कर क्या पाया
बढ़ती सब की शान ओ शौकत
भद्दा किरदार बनाकर क्या पाया
मनमानी जब –जब हुई हैं,
इतिहास गवाह , ये सब वहीं हैं
फ़िर से चूक वहीं करके,
फीका किरदार बना कर क्या पाया
जूट –मूठ की वाहवाही,
हवा चलें ढह जाए यूंही
वो मंज़िल का निर्माण करा कर क्या पाया
द्वेष भरा हो मन में,
फ़िर प्यार जता कर क्या पाया

–विक्रम मिल्की (शर्मा)
सह प्रभारी
हिमालयन अपडेट
गुजरात

सूझ

जाति–धर्म का झगड़ा कैसा एक धातु के सारे लोग
जनम मरण जीवन समान है फिर कैसा धूमिल संयोग।
अन्दर–बाहरसे सब सम हैं कोई किसीसे कहीं न कम है
कहीं अधर पे सोहे लाली बहुत सी आँखें काफी नम हैं
आपस में नित लड़ा–भिड़ाके कौन साधते नव प्रयोग?
मानव रचित विधेयक सारे सुख–दुःख पोषें न्यारे–प्यारे
देश काल परिवेष की लय में सबके अपने सजे सितारे
क्यों आपस में ही भड़का के पनपाते नफरत का रोग।
छोटा–बड़ा कोई ना जग में ऊँच–नीच क्यों आया
कोई पूजे सूक्ष्म सुचेतन कोई जड़–रूप की माया
सबके लक्षित नियतिनियन्ता सबका अपना साधन योग।
जीते जी सबकुछ है जग में मरण पे कुल खो जाये
चन्द पलों का स्वर्णिम जीवन डर–मर सकल गंवाये
किसके खातिर अस्त्र–शस्त्र सब पनपाते हैं जैविक रोग।।

–डॉव मनीराम वर्मा
गुवाँव (पालीपट्टी) टाण्डा, अम्बेडकरनगर

श्री कृष्ण को समर्पित दोहे–

जन्मेकारागार में,कृष्ण जगत के भूप।
मुदित हुए माता–पिता,देख अलौकिक रूप।।

ले वसुदेव चले वहाँ,जहाँ नंद का गाँव।
पाँव पखारे अर्कजा,शेष शीश पर छाँव।।

बँटे बधाई नंद–घर,यशुमति हुई निहाल ।
पुत्र हुआ वसुदेव–घर,लोग कहें नंदलाल।।

हाथी,घोड़ा,पालकी,मणिमय मुक्ताहार।
कृष्ण जन्म पर मिल रहे,पुरजन को उपहार।।

दूध,दही,नवनीत पर,शिशुओं का अधिकार।
मथुरा क्यों भेजें इसे,कान्हा का प्रतिकार।।

मानव–जीवन में रहे,रंग और उल्लास।
यह संदेशा दे गये,कृष्ण रचा कर रास।।

असुर जनों के सामने,आर्य न होते दीन।
कान्हा के आगे हुए,असुर सभी बलहीन।।

वसन हीन शोभे नहीं,नारी मातु समान।
चीरहरण से दे रहे,कृष्ण जगत को ज्ञान।।

दुष्ट जनों को दंड दें,यही आर्य का धर्म।
पटक कंस को मारना,धर्म कहे सत्कर्म।।

जो अबला पर,बाल पर,करता अत्याचार।
हर युग में कान्हा करे,उस नर का संहार।।

तात–मात की बेड़ियाँ,काटे श्री गोपाल।
राजसिंहासन दे दिये,नाना तत्काल।।

स्वयं बसे द्वारावती,दाऊ जी के साथ।
सदा धर्म हित में लड़े,मेरे दीनानाथ।।

पापी दुर्योधन करे,नित प्रति अत्याचार।
पार्थ–सारथी ने किया,उसका भी उपचार।।

–वसंत जमशेदपुरी

कृष्ण तेरी बांसुरिया

कृष्ण तेरी बांसुरिया,
सबके ही मन भाए।
काम–धाम छोड़ गोपी,
दौड़ी –दौड़ी आए।

बाँसुरिया सुनके गैयें,
घास चरना भूल जाएं
दूध की धाराएं वो
अविरल बहाती जाएं।

कालिया के फन चढ़के
कृष्ण बांसुरी बजाए
प्रेम के वश होकर
सभी झूमे नाचे गाएं।

बांसुरी की धुन में
गोपियां रास रचाएं
कान्हा को हर गोपी
अपने ही संग पाए।

कृष्ण तेरी बांसुरी में जादू भरा है
कौन है जो इससे अछूता रहा है
राधा रानी हो या यशोदा मैया।
नंद बाबा हो या ग्वाले गैयाँ।

सभी दीवाने कृष्ण बांसुरी के
कृष्ण जब छोड़े बाँसुरी की तान,
किसी को नहीं रहता कोई भान।

सुध बुध बिसरा के झूमे नाचे गायें,
बांसुरी बजाए बिगड़े काज बन जायें।
कृष्ण की बांसुरिया सबको ही भाए,
राधा को भी भाए गोपियों को भी भाए।।

–सरला विजय सिंह सरल
चेन्नई

नायक

वोलीवुड का हीरो
जब दुश्मन की गोली खाता है
तब यह द्रश्य एक बार नहीं
कई बार दोहराया जाता है।
हटते ही कैमरा
वह तुरंत खड़ा हो जाता है।
मगर
एक देशभक्त दर्शक,
शहादत पर उसकी,
टप टप आंसू टपकता है।
वोलीवुड का यह नायक,
महानायक बन जाता है।

सेना का जवान,
जो सीमा पर भारत माँ का
कर्ज चुकाता हैद्य
जब दुश्मन की गोली खता है,
वहां न तो कोई रिटेक होता है
न ही वह निर्देशक की वाह–वाही
पता है
वह सचमुच शहीद हो जाता है।
उसका पार्थिव शरीर
लिपट तरंगे में
घर आता है।
थोड़ी देर के लिए
वक्त का पहिया थम जाता है।
हम सबका शीश भी
श्रध्दा से झुक जाता है।

ज़रा सोचो
वह कितनी देर नायक कहलाता है
'एक और जवान शहीद हो गया'
बस इतना सा स्थान
अख़बार के किसी कोने में पता है।
और शाम होते होते
वह एक वासी खबर बन जाता है।

–प्रो.रणजोध सिंह
पंजाब

अफगानिस्तान से सुरक्षित घर पहुंचा नवीन,आरती उतारकर किया स्वागत

मंडी, हिमालयन अपडेट

अफगानिस्तान में बिगड़े हालातों के बाद घर वापसी के लिए लंबी जद्दोजहद के बाद सरकाघाट का नवीन ठाकुर बीती देर रात को अपने घर पहुंच गया। जैसे ही नवीन घर पहुंचा तो पूरा परिवार भावुक हो उठा। वहीं घर पहुंचने की खुशी में नवीन की आंखें भी छलक गई। परिवार वालों ने अपने लाल का पूरी गर्मजोशी से स्वागत किया। मां ने अपने लाल के घर पहुंचने की खुशी में उसके मनपसंद पकवान बनाकर रखे थे। वहीं बहनों ने भी अपने भाई की आरती उतारकर स्वागत किया। नवीन ने बताया कि अफगानिस्तान से भारत तक पहुंचने के लिए उसे लंबी जद्दोजहद करनी पड़ी है. अफगानिस्तान के मौजूदा हालातों से पूरा विश्व भली प्रकार से वाकिफ है।

उन्होंने कहा कि देवी–देवताओं और माता–पिता के आशीर्वाद से वे घर पहुंच गए हैं और भविष्य में फिर कभी अफगानिस्तान नहीं जाएंगे। नवीन ने यह भी बताया कि वे सुबह 11 बजे दिल्ली से बस के माध्यम से सरकाघाट के लिए आ रहे थे तो उनकी बस की एक अन्य गाड़ी के साथ पानीपत के पास टक्कर हो गई।

हालांकि टक्कर मामूली थी लेकिन इस कारण करीब चार घंटों तक जाम लग गया और उस कारण वे चार घंटा देरी से अपने घर पहुंचे। नवीन ने 7 बजे घर पहुंचना था लेकिन बस रात को 11 बजे सरकाघाट पहुंची। उधर, राहुल के पिता बलवंत सिंह बराड़ी ने कहा कि राहुल दुबई से लंदन और वहां से कतर और कतर से दिल्ली के रवाना हो गया है, और मंगलवार को दिल्ली पहुंचेगा और शाम तक राहुल की घर पहुंचने की सम्भावना है। सरकाघाट का दूसरा बेटा राहुल बराडी सोमवार को लंदन से कतार पहुंच गया है, वहां से उसे आज दिल्ली के लिए फ्लाइट मिलेगी। राहुल के आज शाम तक घर पहुंचने की सम्भावना है। दोनों के परिजन अपने बेटों के सुरक्षित आने की खुशी में फूले नहीं समा रहे।

महिला वकील ने डीजीपी पर जड़ा झूठे केस में फंसाने का आरोप, बार एसोसिएशन ने बुलाई आपात बैठक

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल हाईकोर्ट की एक महिला वकील ने प्रदेश के डीजीपी संजय कुंडू पर झूठे मामले में फंसाने और दुर्व्यवहार करने का आरोप जड़ा है। इसकी शिकायत उन्होंने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन से की है। बार एसोसिएशन ने इस मामले पर मंगलवार दोपहर एक बजे आपात बैठक बुलाई है।

महिला ने शिकायत में कहा है कि डीजीपी ने कथित तौर पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया। महिला वकील ज्योतिका शर्मा की तरफ से हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को शिकायत दी गई है कि डीजीपी ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसके खिलाफ आईपीसी की धाराओं 107 व 151 में झूठा केस बनाया गया है। महिला ने पैन ड्राइव में घटना का वीडियो भी बार एसोसिएशन को भेजा है।

उधर, प्रदेश पुलिस प्रशासन ने अपने फेसबुक पर भी इस घटना का वीडियो अपलोड कर लिखा है कि एक महिला कई कुत्तों के साथ मंदिर परिसर में घुस आयीं और वहां मौजूद पुजारियों को डराया धमकाया। यह न केवल आपराधिक धमकी का कृत्य है बल्कि हिंदुओं द्वारा पवित्र माने जाने वाले मंदिर के गर्भगृह को अपवित्र करना भी है। आगे लिखा है कि हिमाचल प्रदेश, जिसे देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है, अपने देवी–देवताओं और मंदिरों को सर्वोच्च सम्मान प्रदान करता है। हम अपने पूजा स्थलों और पुजारियों के अपमान और धमकी जैसे कृत्यों को सहन नहीं कर सकते.शिमला पुलिस ने मंदिर के पुजारियों की शिकायत पर इस मामले में त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं इस घटनाक्रम पर हिमाचल हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश्वर सिंह चंदेल का आरोप है कि वीडियो देखने के बाद ये साफ हो गया है कि डीजीपी ने अपने पद का दुरुपयोग किया है। डीजीपी ने थानेदार की तरह व्यवहार किया है.उधर, हाईकोर्ट के एक अन्य वकील की ओर से राज्य सहकारी सभा के रजिस्ट्रार राजेश शर्मा के खिलाफ हाईकोर्ट बार एसोसिएशन में शिकायत दर्ज करवाई गई है। बहरहाल दोनों शिकायतों पर बार एसोसिएशन ने संज्ञान लेते हुए आपात बैठक बुलाई है।

मुख्य डाकघर मंडी में मिलेंगे स्वयं सहायता समूहों के हस्त निर्मित उत्पाद

मंडी, हिमालयन अपडेट

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत मुख्य डाकघर मंडी में जिला का पहला महिला शक्ति केंद्र खोला गया है। केंद्र में स्वयं सहायता समूहों के हस्त निर्मित उत्पादों की बिक्री की जाएगी। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण मंडी की उप निदेशक एवं परियोजना अधिकारी शेफाली शर्मा ने मंगलवार को इस महिला शक्ति केंद्र का उद्घाटन किया। महिला शक्ति केंद्र में स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए परंपरागत खाद्य पदार्थ जैसे बड़ियां, शीरा, आचार, ऊनी कपड़े, शॉल, पंचगव्य साबुन व गाय के गोबर से बने उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

शेफाली शर्मा ने कहा राज्य ग्रामीण विकास मिशन तथा डाक विभाग के संयुक्त प्रयासों से जिला में पहला महिला शक्ति केंद्र खोला गया है। आगे ईौर जगहों पर भी ये केंद्र खोलने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। मुख्य डाकघर में रोजाना लोगों की बड़ी संख्या में आवाजाही रहती है। यहां स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी और इससे उनकी आय में भी बढ़ोतरी होगी । उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक मात्रा में स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद खरीदने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक डाकघर मंडी मंडल भवानी प्रसाद शर्मा ने बताया कि जिले मंडी के डाकघर में पहला काउंटर खोला गया है इसके अलावा सुंदरनगर में भी एक ऐसा काउंटर खोला जाएगा। इस तरह के काउंटर खुलने से स्थानीय उत्पादों को नई पहचान मिलेगी

कार्यक्रम में डाकघर मंडी और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी व कर्मचारी और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया।

सोने के गहनों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य करने के विरोध में सर्राफा कारोबारी ने प्रदेशभर में की सांकेतिक हड़ताल

शिमला, हिमालयन अपडेट

केंद्र सरकार ने 16 जून से आभूषणों पर हॉलमार्किंग को अनिवार्य कर दिया है। हालांकि, हॉलमार्किंग के जटिल नियमों के विरोध में देशभर के सर्राफा कारोबारियों ने सोमवार को एक दिन की हड़ताल पर रहे। इसके तहत सोमवार को प्रदेश के सैंकड़ों कारोबारी भी काम ठप कर हड़ताल पर रहे। शिमला के सराफा और स्वर्ण कारोबारी संघ अध्यक्ष अतुल टांगरी ने बताया कि सभी सर्राफा कारोबारी हॉलमार्किंग का स्वागत करते हैं, लेकिन इसके जटिल नियम ग्राहकों के साथ ही कारोबारियों को भी परेशान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ज्वैलरी की हॉलमार्किंग करने के दौरान उसमें हॉलमॉर्किंग यूनिक आईडी (एएचयूआईडी) की व्यवस्था की गई है.इसके तहत प्रत्येक ज्वैलरी में हॉलमॉर्किंग के दौरान यह सभी ज्वैलरी में लगाई जाएगी और जूलर्स के नाम पर सभी ज्वैलरी आयटम की आईडी दर्ज होगी। जैसे ही ज्वैलरी आयटम की बिक्री होगी तो ज्वैलर्स को बेवसाइट पर दर्ज कराना होगा कि वह किसे बेचा गया है। इससे जहां कारोबारियों का बेवजह का काम बढ़ेगा तो वहीं ग्राहकों इससे ट्रेक होंगे, जो ग्राहकों के हित में नहीं है।

उन्होंने कहा कि हॉलमॉर्किंग की प्रक्रिया इतनी जटील है कि उससे सर्राफा कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्होंने बताया कि एक अनुमान के मुताबकि भारत में सलाना 10 से 12 करोड़ ज्वैलरी पीस बनते हैं, तो वहीं अभी सात करोड़ से अधिक पीस में हॉलमॉकिंग होनी बाकी है। इस तरह से इस साल में 17 करोड़ से अधिक ज्वैलरी पीस की हॉलमॉर्किंग होनी है, लेकिन हॉलमॉर्किंग केंद्रों की जो मौजूदा स्थिति है, उनकी गति प्रतिदिन दो लाख पीस की हॉलमॉर्किंग करने की है। इस अनुपात से हॉलमॉर्किंग की प्रक्रिया पूरी होनी में तीन से चार साल लग जाएंगे। इससे पूरा कारोबार प्रभावित हो रहा है। इसके विरोध में सर्राफा कारोबारियों ने हड़ताल पर जाने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि सरकार हॉलमॉर्किंग यूनिक आईडी (एएचयूआईडी) की व्यवस्था लागू करने से पहले अपनी वेबसाइट को दुरुस्त करे।

कुल्लू घाटी को विश्व धरोहर के रूप में मनोनित करवाने के प्रयास किए जाएंगे: गोविन्द सिंह ठाकुर

शिमला, हिमालयन अपडेट

भाषा, कला एवं संस्कृति मंत्री गोविन्द सिंह ठाकुर ने यहां कुल्लू घाटी को यूनेस्को विश्व धरोहर के रूप में मनोनित करवाने के लिए एच.बी.टैक टीम के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

उन्होंने कहा कि कुल्लू घाटी की काष्ठकुणी भवन शैली, ग्राम देवताओं की विशिष्ट परम्परा तथा इसका अदभूत प्राकृतिक सौन्दर्य कुछ ऐसी विशिष्टताएं हैं जिनके आधार पर कुल्लू घाटी को विश्व धरोहर के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बैठक में निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही इस बारे में एक विस्तृत प्रस्तावना तैयार कर प्रदेश सरकार को सौंपी जाएगी।

तालिबान का अफ़गानिस्तान पर शासन, अंधेर नगरी चौपट राजा

शिमला, हिमालयन अपडेट

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद एक पुरानी कहावत याद आती है "अंधेर नगरी चौपट राजा,

टका सेर भाजी टका सेर खाजा।"

अब सिर्फ बंदूकें ही संविधान की भाषा बोलेंगी, न कोई कानून, ना कोई संविधान, और ना ही कोई नियम, केवल बुलेट का ही शासन तंत्र चलेगा। तालिबानी हुक्मरानों ने अमेरिका को 31 अगस्त तक अपने सारे सैनिकों को वापस बुलाने की धमकी दे दी है, यदि अमेरिका ऐसा नहीं करता तो उसे इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे । संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान तथा तालिबान के मध्य खूनी युद्ध के दौरान तालिबानी आतंकवादियों का सबसे बड़ा हिमायती एवं असली ताकत पाकिस्तान बना हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार यह भी पुष्टि की गई है कि यहां पाक से हर रोज हज़ारों आतंकी अफगानिस्तान की सीमा में घुसकर तालिबानी आतंकवादियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अफगानिस्तान के विरुद्ध जंग कर रहे थे। संयुक्त राष्ट्र संघ ने खुलकर कहा कि स्पिन बालदोक शहर में लगभग 6हजार से 8हजार पाकिस्तानी,तालिबानी आतंकवादी मौजूद हथे, अफगानिस्तान की खुफिया विभाग के पूर्व प्रमुख रहमतुल्लाह राबिल ने एक वक्तव्य देकर बताया था कि एक सप्ताह पहले तालिबान ने पाक से अफगानिस्तान पर कब्जा करके,उसी क्षेत्र से हर रोज पाकिस्तान से 6 से 8 हजार पाकिस्तानी समर्थित आतंकवादी अफगानिस्तान की सीमा पर घुसकर तालिबानियों के साथ युद्ध कर रहे थे।

यह बात इस बात से भी स्पष्ट हो गई थी, जब कंधार तथा गजनी में अमेरिका ने हवाई हमला किया था, एवं लगभग 1000 तालिबानी आतंकवादी मारे गए थे, और तब उनकी जेब से परिचय पत्र निकला जिसमें पाकिस्तान सेना तथा सीआईए के कई मैदानी अधिकारी शामिल थे। पाकिस्तानी सेना के मृत सैनिकों के जेब से परिचय पत्र निकालना इस बात का प्रमाण था कि पाकिस्तान खुलकर अफगानिस्तान के खिलाफ तालिबानियों की मदद कर रहा था। और दूसरी तरफ कल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि तालिबानी आतंकवादी नहीं है, सामान्य नागरिक हैं, और अफगानिस्तान अब आजाद हुआ है वहां के नागरिक स्वतंत्र होकर खुला जीवन जिएंगे। उन् और यह विदित है कि तालिबान को देश मानने के लिए पाकिस्तान के अलावा दो अन्य मुस्लिम राष्ट्रों ने ही इसका समर्थन किया था। बाकी पूरे विश्व में किसी भी देश में जिसमें भारत भी शामिल था, तालिबान को राष्ट्र या देश मानने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान अफगानिस्तान के खिलाफ तालिबानियों की तन, मन, और धन से मदद कर रहा है। पर अब तालिबान भस्मासुर की भूमिका में आ गया है। उसकी बढ़ती ताकत तथा अफगानिस्तान के 50 प्रतिशत हिस्से में में कब्जे के कारण पाकिस्तान भी उससे भयभीत होकर उसकी मदद कर रहा था। उधर तालिबानी आतंकवादियों के कुछ अधिकारी चीन में बीजिंग जाकर चीनी सेना के अधिकारियों से वार्तालाप कर चीन की अफगानिस्तान के विरोध में सहायता मांग रहे थे, चीन ने तालिबान को समर्थन दिया अब इसके साथ रूंस भी आ गया है। चीन मुलतः विस्तारवादी देश है, और उसे लोकतांत्रिक मूल्यों की कोई परवाह नहीं है। चीन अपने विस्तार वादी सोच के पीछे आर्थिक नफे और नुकसान को ही देखता है। वह किसी देश के अर्थ तंत्र पर कब्जा कर उसके व्यापार तथा वाणिज्य पर नियंत्रण करने में माहिर है। उसका ताजा उदाहरण पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश एवं नेपाल है। और पाकिस्तान भी चीनी के आर्थिक कर्जे से लदे होने के कारण अफगानिस्तान में चीनी सत्ता को का विस्तार करने में चीन की मदद जरूर करेगा। तालिबानी आतंकवाद 1980 से परवान चढ़ा है।

पश्तून क्षेत्र के लड़ाके जो पाकिस्तान के मदरसे में पल बढ़ रहे थे। को अमेरिका तथा पाकिस्तान ने वित्तीय पोषित कर अफगानिस्तान में रूस के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए उकसाया एवं अलग–अलग समय पर आतंकवादी गतिविधियों को उत्प्रेरित किया। 90 के दशक में तालिबानी आतंकवादी पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन अल कायदा, जैश ए मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा के साथ तालिबानी आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान में रूस की सेना के विरुद्ध किए जा रहे युद्ध में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दे रहे थे।

रूस के अफगानिस्तान से हटने के बाद 2001 से शुरू हुआ तालिबान और इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ का संघर्ष जो 2021 तक जारी रहा। 2001 से 2021 तक अमेरिकी तथा नाटो देशों की संयुक्त सेना तालिबानी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए अफगानिस्तान में रही। और अफगानिस्तान से अमेरिकी तथा नाटो देशों की सेना वापस जा चुकी है, तो अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हालिया बयान में कहा कि अफगानिस्तान अब अमेरिका की जिम्मेदारी नहीं है।

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने आतंकवादियों द्वारा 2011 के नवे महीने पर अमेरिका के पेंटागन तथा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमले के बाद अफगानिस्तान में अपनी सेना भेजकर अलकायदा तथा अन्य आतंकवादियों संगठन को खत्म करने का बीड़ा उठाया था।

हालांकि अमेरिकी सैनिकों तथा अमेरिकी प्रशासन ने तालिबान आतंकवादियों के खिलाफ बड़ा संघर्ष किया तथा अफगानिस्तान के विकास में अरबों डॉलर खर्च किए एवं बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिक मारे भी गए, पर अंततः अमेरिका को अफगानिस्तान छोड़ना ही पड़ा

पर अफगानिस्तान की व्यवस्था जस की तस रही, अफगानिस्तान के साथ जुड़े कई देशों के हित अभी भी लटके हुए हैं, चीन,रूस, भारत पाकिस्तान एवं अन्य देश जिन्होंने अफगानिस्तान में बहुत ज्यादा मदद के रूप में पैसा खर्च किया है

,उनकी स्थिति असमंजस में पड़ी हुई है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ पाकिस्तान ही तालिबानियों की मदद कर रहा है, बल्कि इसमें तुर्किस्तान, ईरान आदि परोक्ष रूप से अफगानिस्तान के विरुद्ध तालिबानियों की मदद में लगे हुए थे। वैश्विक परिदृश्य में राजनैतिक फायदे नुकसान को यदि हम एक तरफ रखें तो भी तालिबानी आतंकवादियों के बढ़ते प्रभाव से अफगानिस्तान के साथ उसका सबसे बड़ा समर्थक पाकिस्तान में तालिबान की नियत पर अब शक करने लगा है।

तालिबानी आतंकवादियों के अधिकारियों द्वारा चीन में जाकर उनसे मदद मांगने के परिणाम स्वरूप अब अमेरिका नाटो देश एवं अन्य यूरोपीय देश इस बात के लिए चिंतित हैं कि यदि चीन अब तालिबान आतंकवादियों से हाथ मिलाता है ,तो चीन का अफगानिस्तान पर प्रभाव अत्यधिक बढ़ जाएगा, जिससे सीधे–सीधे अमेरिका तथा यूरोप को बाहुबली चीन से खतरा पैदा हो जाएगा । यह बात तो तय है कि तालिबानी आतंकवादियों के अफगानिस्तान पर कब्जे से अंतर्राष्ट्रीय शांति में खलल पैदा होने की आशंका है, एवं आतंकवाद का नया केंद्र अफगानिस्तान के बनने से कोई नहीं रोक सकेगा ।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक अनिल कुमार जम्वाल द्वारा ग्राम शाहल, डाकघर भौंट, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं सिग्मा प्रिंटर, ब्लॉक नं 6, शॉप नं 170, एसडीए कॉम्पलेक्स, कसुम्पटी, शिमला–171009 से मुद्रित।
सम्पादक : अनिल कुमार जम्वाल। हिमालयन अपडेट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 7018631199, email: himalayanupdate@gmail.com